শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 41 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 11 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वंदे मातरम विवाद : सीएम ओमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस से बनाई दूरी पेज 2
समाज के अंतिम पंक्ति के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना... पेज 3
प्रदेश के 50 लाख लाभार्थियों को 1890 करोड़ की राशि ट्रांसफर पेज 5
अफगानिस्तान के खिलाफ वैभव और सैमसन में से किसे अवसर देंगे गंभीर पेज 7

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आगाज कल

जिनपिंग, पुतिन और पेजेश्कियन आएंगे भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के तहत सदस्य देशों और साझेदार देशों के नेताओं के लिए यहां के भारत मंडपम् में 12 एवं 13 सितंबर को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों में क्लोज डोर सत्र, भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी, साझा तस्वीर, संयुक्त पौधरोपण और प्रधानमंत्री की ओर से आयोजित रात्रिभोज शामिल हैं। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 10 सदस्य देशों और 10 साझेदार देशों के नेता शामिल होंगे। इसके अलावा 5 क्षेत्रीय संगठनों के अध्यक्ष या प्रतिनिधि तथा 7 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भी सम्मेलन में मौजूद रहेंगे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्राजील को छोड़कर सभी 10 सदस्य देशों के शीर्ष नेता भाग ले रहे हैं। ब्राजील की ओर से विदेश मंत्री माउरो विएरा सम्मेलन में भाग लेंगे। वहीं चीन से राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके अलावा ईरान से राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, मिस्र से राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, इथियोपिया से प्रधानमंत्री अबिय अहमद अली, इंडोनेशिया से राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, और संयुक्त अरब अमीरात से अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भी सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार 12 सितंबर को दोपहर दो बजे ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं का भारत मंडपम पर आगमन होगा। इसके बाद शिखर सम्मेलन सभागार में *समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत* -शेष पृष्ठ दो पर

BRICS
INDIA 2026

दिल्ली पुलिस ने कसी कमर, सुरक्षा में तैनात होंगे 15 हजार जवान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में करीब 15,000 कर्मियों और अर्धसैनिक बलों की 200 कंपनियों को तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा प्रभाग) मनीष कुमार अग्रवाल ने कहा कि जनता को कम से कम असुविधा और गणमान्य व्यक्तियों के लिए अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित हो, इसके लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। अग्रवाल ने कहा कि हमने यातायात व्यवस्था के संबंध में अग्रिम परामर्श भी जारी किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस सम्मेलन के लिए कई एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है और सभी चिह्नित मार्गों का व्यापक सर्वेक्षण पहले ही किया जा चुका है। विशेष आयुक्त ने कहा कि कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए बड़े पैमाने पर जवानों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

पहली बार गुवाहाटी में होगा अंतर्राष्ट्रीय मैराथन, मुख्यमंत्री ने जारी किया लोगो

गुवाहाटी। गुवाहाटी पहली बार गुवाहाटी इंटरनेशनल मैराथन की मेजबानी करने जा रहा है। यह शहर के अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज शाम आयोजित एक विशेष समारोह में क्रिकेट के दिग्गज सुनील मनोहर गावस्कर की उपस्थिति में गुवाहाटी इंटरनेशनल मैराथन का लोगो जारी किया। मैराथन का आयोजन 7 फरवरी, 2027 को किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मैराथन के पहले संस्करण में विभिन्न स्तर के प्रतिभागी के लिए अलग-अलग श्रेणियां होंगी। इनमें मैराथन 42.195 किलोमीटर, हाफ मैराथन 21.097 किलोमीटर, 10 किलोमीटर रन, 5 किलोमीटर रन और 1.5 किलोमीटर रन शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि इतने बड़े स्तर के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी गुवाहाटी को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने तथा एक जीवंत, महत्वाकांक्षी और वैश्विक रूप से जुड़ी हुई नगरी के रूप में उसकी पहचान को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि मैराथन से असम में स्पोर्ट्स टूरिज्म को भी महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिलेगा। देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभागियों और आगंतुकों के आने की संभावना के बीच यह आयोजन गुवाहाटी की विरासत, संस्कृति, आतिथ्य और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
राजा, गुप्तचर और मंत्री तीनों का एक मत होना किसी भी मंत्रणा की सफलता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अस्पताल से कैदी फरार मामले में महिला डॉक्टर गिरफ्तार

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट के शहीद कुशल कोंवर असामरिक अस्पताल से कैदियों के फरार होने के मामले में गोलाघाट जिला कारागार की महिला चिकित्सक डॉ. कावेरी कुर्मी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार (9 सितंबर) की रात उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस की -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय सीमा पर निर्माण को लेकर तीन हिरासत में

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के बोको क्षेत्र के नोआपाड़ा में असम-मेघालय अंतर्राज्यीय सीमा के निकट कथित रूप से स्कूल निर्माण का प्रयास किए जाने के बाद तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। मामले में तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। घटना बुधवार को नोआपाड़ा में हुई, जो असम-मेघालय सीमा से करीब 6-7 किलोमीटर दूर है। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान डिबानस्टार रिनजाह (25), जोसेफ -शेष पृष्ठ दो पर

आईआरसीटीसी होटल टेंडर केस में लालू परिवार को बड़ा झटका, तेजस्वी-राबड़ी समेत नौ पर आरोप तय

पटना। आईआरसीटीसी होटल टेंडर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को लालू यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और पत्नी राबड़ी देवी समेत कुल 9 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 3 अक्तूबर की तारीख दी है। इस मामले में लालू परिवार के अलावा सरला गुप्ता, लारा प्रोजेक्ट्स और सुजाता होटल्स समेत अन्य लोगों और संस्थाओं को भी आरोपी बनाया गया है। हालांकि, राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले में 7 आरोपियों को आरोपमुक्त भी कर दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने माना ऐसा नहीं लगता है कि लालू यादव के खिलाफ जांच राजनीति से प्रभावित थी। कोर्ट ने कहा लारा प्रोजेक्ट को जिस तरह फायदा पहुंचा वह लालू यादव की भूमिका पर संदेह पैदा करता है। कोर्ट ने कहा कि पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद द्वारा पद के दुरुपयोग का मजबूत संदेह है। वहीं, दूसरी तरफ, कोर्ट ने मामले में 7 आरोपियों -शेष पृष्ठ दो पर

नलबाड़ी में पेप्सिको के 778 करोड़ के आलू चिप्स संयंत्र का सीएम ने किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को नलबाड़ी के बनेकुची में पेप्सिको इंडिया के 778 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित अत्याधुनिक आलू चिप्स विनिर्माण संयंत्र का औपचारिक उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना राज्य के औद्योगिक विकास के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को भी नई गति देगी। डॉ. शर्मा ने कहा कि 6 सितंबर, 2023 को संयंत्र की आधारशिला रखी गई थी और महज तीन वर्षों के भीतर परियोजना का संचालन शुरू होना असम के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि बनेकुची में निर्मित चिप्स देशभर के उपभोक्ताओं तक पहुंचेंगे। करीब 120 बीघा क्षेत्र में स्थापित संयंत्र से 200 से अधिक प्रत्यक्ष और 500 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। संयंत्र के कुल कार्यबल में 75 प्रतिशत महिलाएं हैं। करीब 120 महिलाओं को विशेष डिजिटल कौशल का प्रशिक्षण भी दिया गया है। आलू की सालभर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रॉस फूड चेन सॉल्यूशंस ने 35 करोड़ रुपए की लागत से 10,000 मीट्रिक टन क्षमता वाला अत्याधुनिक कोल्ड स्टोरेज स्थापित किया है। इससे 45 प्रत्यक्ष और 150 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संयंत्र के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाना परियोजना का प्रमुख उद्देश्य है। पेप्सिको को -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में वंदे मातरम के दो पैरा ही गाए जाएंगे, डीके सरकार का फरमान जारी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने राज्य के सभी सरकारी कार्यक्रमों और आधिकारिक समारोहों में राष्ट्रगीत *वंदे मातरम* का गायन अनिवार्य कर दिया है, लेकिन कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने आदेश जारी करते हुए यह भी कहा है कि राजकीय कार्यक्रमों में वंदे मातरम के सिर्फ दो पद गाए जाएं। हालांकि, इस आदेश में इस बात का भी जिक्र है कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और उन कार्यक्रमों में जिनका प्रतिनिधित्व केंद्र सरकार करेगी, वहां पूरा वंदे मातरम के सभी 6 पद गाए जाएंगे। दरअसल, कर्नाटक की डीके शिवकुमार सरकार का यह आदेश केंद्र सरकार के उस निर्देश के बीच आया है, जिसमें वंदे मातरम -शेष पृष्ठ दो पर

पूजा के स्टॉल पर *शारदोत्सव* के जगह लिखना होगा *दुर्गापूजा* : मुख्यमंत्री

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दुर्गापूजा के दौरान लगाए जाने वाले स्टॉल और आयोजनों के नाम को लेकर कड़ा संदेश दिया है। गुरुवार को विधानसभा में उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा के अवसर पर लगाए जाने वाले स्टॉल पर *शारदोत्सव* के बजाय *दुर्गापूजा* लिखा जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुर्गापूजा की जगह शारदोत्सव लिखे जाने वाले स्टॉल को अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्गापूजा को *सार्वजनिक उत्सव* के रूप में मनाया जाता है और इसके आयोजन में धार्मिक पहचान के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान सभी समुदायों के लोगों को अपने धार्मिक विश्वास और परंपराओं का पालन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। विधानसभा में मुख्यमंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

चिन्मय कृष्ण दास की मां का निधन, पांच घंटे की मिली पैरोल

ढाका। बांग्लादेश में जेल में बंद हिंदू अधिकार कार्यकर्ता चिन्मय कृष्ण दास को अपनी मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए गुरुवार को पांच घंटे की पैरोल दी गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। हिंदू संत दास को नवंबर 2024 में देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन पर राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाया गया था, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन देखने को मिले और सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया था। -शेष पृष्ठ दो पर

एक-दूसरे को डूबने से बचाने के प्रयास में एक ही परिवार के चार सदस्य समेत पांच की मौत

भागलपुर (हि.स.)। गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण भागलपुर जिले में बाढ़ की स्थिति बेहद भयावह हो चुकी है। गुरुवार को बाईपास थाना क्षेत्र के कोयली खुटहा गांव में बाढ़ के गहरे पानी में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों के अनुसार, पीड़ित परिवार के सदस्य अपने खेत की ओर जा रहे थे। बाढ़ के कारण सड़क पूरी तरह जलमग्न थी। इसी दौरान पैर फिसलने या गहराई का अंदाजा न मिलने के कारण परिवार का एक सदस्य गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए बाकी लोग भी एक-दूसरे का हाथ -शेष पृष्ठ दो पर

मुंबई-गोवा हाईवे के काम में देरी से नाराज हुए गडकरी, कहा-

मुझे शर्म आ रही, मैं उद्घाटन पर नहीं आऊंगा

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुंबई-गोवा हाईवे के निर्माण में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जताई है। गोवा में एक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने साफ कहा कि मुंबई-गोवा हाईवे का काम जितना लंबा खिंचा है, उससे वह खुद शर्मिंदा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने तो यहां तक कहा दिया कि वह इस हाईवे के उद्घाटन समारोह में भी शामिल नहीं होंगे। गडकरी ने गोवा के पणजी के पास पोरवोरिम में छह-लेन एलिवेटेड रोड कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में यह बात कही है। उन्होंने कहा कि बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तय समय में पूरे होने चाहिए। इसके निर्माण कार्य में लगातार देरी को लेकर उन्होंने कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ कार्रवाई का भी वादा किया। साथ ही खुद हाईवे का इंस्पेक्शन करने की बात कही है। नितिन गडकरी ने कहा कि निर्माण कार्य में देरी और घटिया काम के लिए जिम्मेदार कॉन्ट्रैक्टर्स और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अब मैं एक साल के अंदर सबसे ज्यादा कॉन्ट्रैक्टर्स को ब्लैकलिस्ट करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने, साथ ही अधिकारियों को सस्पेंड -शेष पृष्ठ दो पर

आस्था के आगे आधुनिक तकनीक बेअसर

उज्जैन में टस से मस नहीं हुई *खड़े हनुमान जी* की सिद्ध प्रतिमा

उज्जैन (हि.स.)। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में आस्था, इतिहास और आधुनिक तकनीक आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। कंठाल चौराहे और छत्री चौक के बीच स्थित प्राचीन *खड़े हनुमान जी* की प्रतिमा को सड़क चौड़ीकरण के लिए स्थानांतरित करने के प्रशासनिक प्रयासों को दस दिन बीत चुके हैं, लेकिन प्रतिमा अपने स्थान से नहीं हिली। दरअसल, प्रतिमा को हटाने के लिए क्रेन, पोकलेन और भारी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया। कई प्रयासों के दौरान मशीनों पर अत्यधिक दबाव पड़ा और जंजीरों के टूटने की घटनाएं भी सामने आईं। इसके बाद प्रतिमा की सुरक्षा को लेकर तकनीकी विशेषज्ञों और पुरातत्व विशेषज्ञों की राय को महत्व दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि, सिंहस्थ के मद्देनजर शहर के प्रमुख मार्गों को चौड़ा करने की योजना पर काम चल रहा है। इसी क्रम में कंठाल क्षेत्र के इस प्राचीन मंदिर को भी मार्ग विस्तार के दायरे में लिया गया। मंदिर के बाहरी हिस्से को हटाने के बाद जब प्रतिमा को स्थानांतरित करने की कोशिश शुरू हुई तो अपेक्षित परिणाम नहीं मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

वंदे मातरम विवाद : सीएम ओमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस से बनाई दूरी

श्रीनगर। *वंदे मातरम* पर कांग्रेस के रुख से खुद को अलग करते हुए, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि सभी सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत गाना एक संवैधानिक जिम्मेदारी है और वह इस पर राजनीति करने से बचना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में लौटती है तो वह इसे रद्द कर सकती है और नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) इस मामले में उस पुरानी पार्टी का समर्थन करके बहुत खुश होगी। हालांकि, एनसी नेता ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि जब संसद में बिल पेश किया गया था, तभी पार्टी को वंदे मातरम का विरोध करना चाहिए था। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वे संसद के जरिए इसे रोक सकते थे। लेकिन कानून पहले से ही लागू है। जब किसी कार्यक्रम में दो गवर्नर, एक उप-राज्यपाल और हमारे हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश शामिल हों, तो जाहिर है कि राष्ट्रगान बजाया जाएगा। अब, कानून के तहत, जहां भी राष्ट्रगान बजाया जाता है, वहां वंदे मातरम के लिए तय नियम भी अनिवार्य हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि तो, कांग्रेस क्या चाहती है? यह एक कानूनी जिम्मेदारी है। अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो वे संसद में इसे रद्द कर सकते हैं। हमें इससे कोई दिक्कत नहीं होगी। एक पार्टी के तौर पर हमने कभी वंदे मातरम को स्वीकार नहीं किया है, लेकिन हमें संवैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा करना होगा। जम्मू-कश्मीर में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में वंदे मातरम् के पूरे छह अंतरों के गायन ने जिस तरह कांग्रेस और उसकी सहयोगी नेशनल कांफ्रेंस के बीच राजनीतिक खींचतान पैदा की है, उसने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या आजादी की लड़ाई के प्रतीकों को भी दलगत राजनीति के चश्मे से देखा जाएगा? हम आपको बता दें कि मामला तब गरम हुआ, जब समारोह में वंदे मातरम् का पूर्ण संस्करण गाया गया। इसके बाद कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने नेशनल कांफ्रेंस से अपने फैसले पर विचार करने की अपील करते हुए कहा कि विपक्षी इंडिया ब्लॉक को वंदे मातरम् की केवल पहले दो अंतरों तक सीमित रहना चाहिए। कांग्रेस का तर्क है कि गीत के बाद के अंतरों में हिंदू धार्मिक प्रतीकों का उल्लेख है और इसका पूर्ण संस्करण भारत के *समन्वयवादी और बहुलतावादी* चरित्र के अनुकूल नहीं है। यहीं से कांग्रेस से कुछ कड़े सवाल बनते हैं।

चीन के किंगदाओ में मालवाहक जहाज में आग लगने से 20 की मौत

किंगदाओ (हि.स.)। चीन के किंगदाओ शहर में गुरुवार को मरम्मत के लिए खड़े एक विदेशी मालवाहक जहाज में अचानक आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग लापता हैं। आग के वक्त जहाज पर कुल 42 लोग मौजूद थे। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू तथा चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, जहाज में आग दिन में करीब 11:15 बजे लगी। हादसे के वक्त जहाज पर कुल 42 लोग सवार थे। स्थानीय अग्निशमन और बचाव विभाग के अनुसार, राहत एवं बचाव दल ने 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं, पांच घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग पर करीब दोपहर 2:30 बजे काबू पा लिया गया। इसके बाद भी जहाज के अंदर फंसे लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान जारी रखा गया। शाम करीब 5:30 बजे तक शुरुआती तौर पर लापता बताए गए 25 लोगों में से 20 लोगों का पता लगा लिया गया। हादसे के तुरंत बाद आपातकालीन प्रबंधन, अग्निशमन एवं बचाव, पुलिस और चिकित्सा विभाग की टीमें मौके पर भेजी गईं। अधिकारियों ने लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान तेज कर दिया है और घटनास्थल पर जरूरी संसाधन जुटाए गए हैं। चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने भी घटनास्थल पर एक विशेष टीम भेजी है। हादसे पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चिंता जताते हुए लापता लोगों की तलाश और बचाव अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से राहत एवं सहायता कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने और हादसे के कारणों की तत्काल जांच करने को कहा। शी ने दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने पर भी जोर दिया। उन्होंने संबंधित विभागों से इस घटना से गंभीर सबक लेने और आग से जुड़े संभावित खतरों की व्यापक जांच कर उन्हें दूर करने का आह्वान किया। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

पशु चोर को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, पांच घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के सामागुड़ी के गेरुआआटी में कथित पशु चोर को पकड़ने गई खाटोवाल पुलिस की टीम पर आरोपी के परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर सामूहिक हमला कर दिया। हमले में थाना प्रभारी विष्णु देउरी समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, टीम कथित पशु चोर रसिदुल हक को गिरफ्तार करने के लिए उसके घर पहुंची थी। इसी दौरान उसके परिवार के सदस्यों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। मौके का फायदा उठाकर मुख्य आरोपी रसिदुल फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हमले में शामिल कई लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, फरार आरोपी रसिदुल हक की तलाश में पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। मामले की जांच जारी है।

जंगली हाथी ने चाय बागान में एक घर को किया क्षतिग्रस्त

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला के रंगापाड़ा इलाके में जंगली हाथियों का उपद्रव लगातार जारी है। बीती रात भोजन की तलाश में आये जंगली हाथियों के झुण्ड से निकलकर एक हाथी रंगापाड़ा स्थित सेसा चाय बागान के 12 नंबर लाइन में घुस गया। रात के समय जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने 12 नंबर लाइन निवासी बुधुवा सावसी के घर को तोड़कर पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथी के हमले के दौरान बुधुवा सावसी और उनके परिवार के सदस्यों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मिलकर जंगली हाथी को वहां से खदेड़ने में सफलता हासिल की। इस घटना से इलाके के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से जंगली हाथियों के बढ़ते उपद्रव से निजात दिलाने के लिए स्थायी समाधान की मांग की है।

मृत महिला के खाते से आठ लाख से अधिक की हेराफेरी का आरोप

नगांव (हिंस)। जखलाबंधा डाकघर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक मृत महिला के खाते से आठ लाख रुपये से अधिक की राशि कथित तौर पर निकाल लिए जाने का आरोप लगा है। आरोप है कि नीतुमोनी नंदी नाम की एक महिला ने मृत महिला के खाते से यह राशि हड़प ली। मामले के सामने आने के बाद डाकघर में खातों की सुरक्षा और लेनदेन की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

बांग्लादेश में मिलिट्री एक्सरसाइज के दौरान टैंक में ब्लास्ट, दो जवानों की मौत

ढाका। बांग्लादेश के चटगांव में एक मिलिट्री एक्सरसाइज के दौरान एक टैंक में ब्लास्ट हो गया। घटना में टैंक में मौजूद सेना के दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। धमाका इतना भयानक था कि टैंक के परखच्चे उड़ गए और अंदर बैठे क्रू सदस्यों को बाहर निकलने के लिए एक सेकंड भी नहीं मिला। घटना में एक मिलिट्री अफसर गंभीर रूप से घायल हुआ है। यह हादसा बुधवार, 9 सितंबर को हथाजारी फील्ड फायरिंग रेंज में हुआ। बांग्लादेश के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टरेट (आईएसपीआर) के अनुसार, यह हादसा अचानक तब हुआ जब फील्ड एक्सरसाइज के दौरान एक चीनी निर्मित टैंक फायर कर रहा था। सेना के जवान द्वारा ट्रिगर दबाते ही अचानक ब्लास्ट हो गया। टैंक धमाके में मारे गए जवानों की पहचान अबू बक्र सिद्दीक और तस्नीम रफायत के तौर पर हुई है। घायल अफसर की पहचान कैप्टन मिर्जा के रूप में हुई है। उनके दोनों हाथों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल अफसर को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट करके ढाका के कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (सीएमएच) ले जाया गया। आईएसपीआर ने बताया कि हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। बांग्लादेश सेना ने दो जवानों की मौत की पुष्टि की और कहा कि धमाके की वजह की जांच की जा रही है। मिलिट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह हादसा *बोर प्रीमैच्योर एक्सप्लोजन* यानी बैरल के अंदर ही शेल का फट जाना या गोला-बारूद में किसी तकनीकी खराबी की वजह से हुआ। चीनी टैंकों के सुरक्षा फीचर्स और मेटल की क्वालिटी लंबे समय से जांच के दायरे में रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इन टैंकों में थोड़ी सी भी ओवरहीटिंग या कम क्वालिटी वाले गन बैरल की वजह से शेल अंदर ही फट सकता है।

पृष्ठ एक का शेष

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ...

करना विषय पर सदस्य देशों का सत्र होगा। इसी दिन शाम को भारत मंडपम में ही ब्रिक्स सदस्य देशों के नेता भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। इसके बाद भारत मंडपम के बाहरी लॉन में सदस्य देशों के नेता साझा तस्वीर के लिए इक्कठा होंगे। फिर संयुक्त पौधरोपण कार्यक्रम होगा। रात को प्रधानमंत्री की ओर से राजकीय रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा। रविवार सुबह ब्रिक्स साझेदार देशों और आमंत्रित देशों के शासनाध्यक्षों एवं राष्ट्राध्यक्षों का भारत मंडपम में आगमन होगा। सुबह साझा तस्वीर के बाद शिखर सम्मेलन का खुला सत्र शुरू होगा। इसका विषय लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता : समावेशी वैश्विक विकास के भविष्य को आकार देना है। मंत्रालय का कहना है कि विषय मानवता प्रथम की भावना पर आधारित जन-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

दिल्ली पुलिस ने कसी ...

कि हवाई अड्डा, होटलों और निर्धारित अन्य स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की गई है जहां गणमान्य व्यक्तियों का दौरा हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम में सतर्कता एवं मजबूत उपायों के साथ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि निर्बाध सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और गणमान्य व्यक्तियों की आवाजाही के दौरान समन्वय के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ बैठकें भी की गई हैं। अग्रवाल ने कहा कि खुफिया जानकारी को संबंधित एजेंसियों के साथ साझा किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा तैयारियों के तहत सभी उपलब्ध सूचनाओं का विश्लेषण किया जा रहा है। अग्रवाल ने कहा कि बल शहर में सुरक्षा आवश्यकताओं और लोगों की दैनिक आवाजाही के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को भारत मंडपम में आयोजित होने वाला है। अधिकारियों ने बुधवार को कहा था कि विदेशी प्रतिनिधिमंडलों और गणमान्य व्यक्तियों की आवाजाही से जुड़े यातायात प्रतिबंध 10 सितंबर से शुरू होंगे और लगभग 14 सितंबर तक जारी रह सकते हैं। एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि नयी दिल्ली क्षेत्र में 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनमें चेहरे की पहचान करने वाली प्रणाली (एफआरएस) वाले कैमरे और वाहन नंबर प्लेट दर्ज करने वाले कैमरे शामिल हैं। ये सभी एक निगरानी कक्ष से जुड़े रहेंगे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस खुफिया जानकारियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, तथा विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि जनता को असुविधा न हो। व्यवस्थाओं के व्यापक पैमाने के कारण कुछ यातायात परामर्श जारी हैं और अस्थायी प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं, दिल्ली पुलिस ने पहले से ही अग्रिम परामर्श जारी करना शुरू कर दिया है। अधिकारी ने यह भी कहा कि सम्मेलन के मुख्य स्थल भारत मंडपम में आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र के साथ-साथ सतर्कता और निगरानी की व्यवस्था की गई है। इसी तरह की व्यवस्था उन होटलों में भी मजबूत की गई है जहां विदेशी गणमान्य लोग ठहरेंगे। उन्होंने कहा कि गणमान्य लोगों की आवाजाही पर लगातार नजर रखी जाएगी और उनके कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षा, यातायात संबंधी व्यवस्थाओं में जरूरी बदलाव किए जाएंगे।

पहली बार गुवाहाटी ...

पर्यटन आकर्षणों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने में सहायक होगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि गुवाहाटी इंटरनेशनल मैराथन राष्ट्रीय और वैश्विक खेल मंच पर असम की बढ़ती आकांक्षाओं को दर्शाने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी का अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरना हमारे राज्य की बदलती तस्वीर और बढ़ती आकांक्षाओं का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने असम के लोगों, विशेषकर गुवाहाटी के निवासियों से बड़ी संख्या में इसमें भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि आइए, इसे फिटनेस, खेल भावना और गुवाहाटी की जीवंत भावना का उत्सव बनाएं। मैराथन के लिए पंजीकरण 11 सितंबर से शुरू होगा। डॉ. शर्मा गुवाहाटी इंटरनेशनल मैराथन के लिए पंजीकरण कराने वाले पहले प्रतिभागी बने। उन्होंने उम्मीद जताई कि उद्घाटन संस्करण में हजारों लोग उनके साथ जुड़ेंगे। आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. शर्मा ने आधिकारिक आयोजक पिएमजी और इस पहल के मुख्य सूत्रधार सुनील मनोहर गावस्कर को गुवाहाटी में इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन को लाने के लिए धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि असम पर्यटन विकास निगम गुवाहाटी इंटरनेशनल मैराथन के राज्य प्रायोजक के रूप में इससे जुड़ा रहेगा। मैराथन में कुल 1.25 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जिससे यह देश की प्रमुख पुरस्कार राशि वाली रोड रेस में शामिल हो जाएगी। मैराथन और अन्य दौड़ ऐतिहासिक जजेज फील्ड से शुरू होकर वहीं समाप्त होंगी। मार्ग इस प्रकार निर्धारित किया गया है कि प्रतिभागी गुवाहाटी के प्रमुख स्थलों से होकर गुजरेंगे। इससे धावकों को शहर की विशिष्ट पहचान का अनुभव करने के साथ ही प्रतिभागियों और आगंतुकों को इसकी विरासत और शहरी परिदृश्य से परिचित होने का अवसर मिलेगा। इससे पहले समारोह में एटीडिसी के प्रबंध निदेशक कुमार पद्मपाणि बोरा ने स्वागत भाषण दिया। समारोह में पर्यटन मंत्री अजंता नेओग, वित्त मंत्री जयंत मल्लबरुआ, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वजीत दैमारी, विधायक एवं असम क्रिकेट संघ के अध्यक्ष तरंगा गोगोई तथा बीसीसीआई सचिव श्री देवजीत सैकिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आईआरसीटीसी होटल टेंडर केस ...

को आरोपमुक्त कर दिया। इनमें गौरव गुप्ता, नाथ मल ककरानिया, राहुल यादव, विजय त्रिपाठी और देवकी नंदन तुलस्यान का नाम शामिल है। इसके अलावा राजीव कुमार रेलन और मेसर्स अभिषेक फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड को भी आरोपों से मुक्त कर दिया गया है। ये पूरा मामला साल 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्रीय रेल मंत्री थे। आरोप है कि उनके कार्यकाल के दौरान रांची और पुरी में स्थित आईआरसीटीसी के दो होटलों के रखरखाव और संचालन का ठेका नियमों को ताक पर रखकर दिया गया। ये ठेका *सुजाता होटल्स* नामक निजी कंपनी को दिया गया था। ईडी का आरोप है कि कथित भ्रष्टाचार के बदले सुजाता होटल्स ने जमीन का लेन-देन किया था। पटना में एक कीमती बेनामी जमीन सरला गुप्ता के जरिए बेहद मामूली रकम में लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी और उनके छोटे बेटे तेजस्वी की कंपनी लारा प्रोजेक्ट्स को ट्रांसफर की गई थी। वहीं, कोर्ट के इस फैसले के बाद अब मामले में ट्रायल की राह साफ हो गई है।

नलबाड़ी में पेप्सिको ...

वर्तमान में सालाना करीब 30,000 मीट्रिक टन आलू की आवश्यकता है, जो 2030 तक बढ़कर 70,000 मीट्रिक टन होने की उम्मीद है। नलबाड़ी, कामरूप और दरंग के किसानों को चिप्स उत्पादन के लिए आवश्यक विशेष किस्म के आलू की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पेप्सिको स्थानीय किसानों से पूर्व निर्धारित कीमतों पर आलू खरीदेगी, जिससे हजारों किसान परिवारों को सीधे लाभ मिलेगा। राज्य सरकार विशेष आलू की खेती को फसल बीमा योजना के दायरे में लाने तथा उन्नत बीज खरीदने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से सहायता देने की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए असम सरकार, पेप्सिको और भारतीय स्टेट बैंक के बीच त्रिपक्षीय समझौता भी हुआ है। डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्य में युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि औद्योगिकीकरण के माध्यम से रोजगार और उद्यमिता के अवसर बढ़ाकर युवाओं के दूसरे राज्यों में रोजगार की तलाश में पलायन को कम किया जा सकता है। मुख्यमंत्री के अनुसार, असम में विभिन्न क्षेत्रों में पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आया है। इसमें हाइड्रोकार्बन और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में 2.86 लाख करोड़ रुपए, बिजली क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपए, बुनियादी ढांचे में 55,000 करोड़ रुपए, खनन में 53,000 करोड़ रुपए और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में करीब 30,000 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। इनमें करीब तीन लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं वर्तमान में क्रियान्वयन के चरण में हैं, जिनसे लगभग एक लाख युवाओं के लिए रोजगार पैदा होने की संभावना है। उन्होंने धुबड़ी के चापर में 50,000 करोड़ रुपए की ताप विद्युत परियोजना, नामरूप में 12 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाले नए उर्वरक संयंत्र, नुमालीगढ़ रिफाइनरी के विस्तार और जागीरोड में सेमीकंडक्टर परियोजना का भी उल्लेख किया। रोजगार और आत्मनिर्भरता पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 1.7 लाख सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और दो लाख अन्य नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू की गई है। मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान के तहत युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए दो लाख रुपए तक की बिना जमानत वित्तीय सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने नलबाड़ी के समग्र विकास के लिए महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को 25,000 रुपए की सहायता तथा युवाओं को अनुदान और ऋण के माध्यम से वित्तीय सहयोग देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि बानेकुची क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा और सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए सरकार ने तत्काल कदम उठाए हैं। इस अवसर पर वित्त मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता मंत्री विश्वजीत दैमारी, विधायक चंद्रमोहन पटवारी, नारायण डेका और तरंग गोगोई, पेप्सिको इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जागृत कोटेचा, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, परियोजना प्रतिनिधि और एक हजार से अधिक स्थानीय किसान उपस्थित रहे।

कर्नाटक में वंदे मातरम ...

के सभी छह पद गाना अनिवार्य कर दिया गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत ने राष्ट्रवाद, एकता और देशभक्ति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पिछले महीने, कांग्रेस कार्य समिति ने 1937 के अपने उस प्रस्ताव का पालन करने का निर्णय लिया था कि पार्टी कार्यक्रमों में केवल पहले दो श्लोक ही गाए जाएंगे। 8 सितंबर, 2026 के सरकारी आदेश के अनुसार, यह फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर लिया गया है। यह आदेश कर्नाटक के राज्यपाल के नाम से जारी किया गया है। कन्नड़ में जारी आदेश के अनुवाद में लिखा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम के आधिकारिक संस्करण और विभिन्न सरकारी एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों में इसके गायन या वादन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनका अवसरानुसार पालन किया जाना चाहिए। राज्य सरकार ने राज्य में आयोजित होने वाले विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और समारोहों के स्वरूप एवं अवसर के अनुसार राष्ट्रगीत वंदे मातरम के वादन/गायन में एकरूपता, सम्मान और उचित शिष्टाचार (प्रोटोकॉल) बनाए रखना आवश्यक समझा है।

पूजा के स्टॉल पर...

राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन, कानून-व्यवस्था और धार्मिक पहचान से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में धार्मिक पहचान के आधार पर किसी विशेष समुदाय या समूह को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी विरोध-प्रदर्शन के दौरान तनावपूर्ण स्थिति पैदा होती है तो कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस की है। जनप्रतिनिधियों को हाथ में लाठी लेकर सड़क पर उतरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद हिंसा और तनाव पैदा करने से बचने की अपील की तथा शांति बनाए रखने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवा वस्त्र पहनने, शिखा रखने या धार्मिक माला धारण करने वाले किसी व्यक्ति को उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर निशाना नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुस्लिम, हिंदू, बौद्ध अथवा किसी अन्य धर्म के लोगों को अपने-अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। दुर्गापूजा समितियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूजा के आयोजन और सरकारी सहायता से संबंधित निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजनों या स्टॉल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चिन्मय कृष्ण दास की ...

खबरों के अनुसार, चटगांव के जिला उपायुक्त मोहम्मद जाहिदुल इस्लाम ने दास के परिवार की ओर से दिए गए आवेदन के बाद गुरुवार दोपहर हिंदू संत को पैरोल पर रिहा करने का आदेश दिया। दास की 70 वर्षीय मां संध्या रानी धर का हथजारी स्थित एक अस्पताल में इलाज चल रहा था और गुरुवार सुबह उनका निधन हो गया। अखबार ने जाहिदुल इस्लाम के हवाले से कहा कि मां के निधन के बाद दास के भाई की ओर से दिए गए आवेदन के आधार पर हमने कानून के अनुसार चिन्मय कृष्ण को पांच घंटे के लिए पैरोल पर जेल से रिहा करने का आदेश दिया है।

एक-दूसरे को डूबने से ...

पकड़ कर पानी में उतर गए। देखते ही देखते, एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में पांचों लोग गहरे पानी की चपेट में आ गए और डूब गए। स्थानीय ग्रामीणों ने बिना वक्त गंवाए तत्परता दिखाई और भारी मशक्कत के बाद सभी को पानी से बाहर निकाला। आनन-फानन में सभी को मायागंज अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने पांचों लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में मंचों देवी, सोनाक्षी कुमारी, प्रिंस कुमार, अभिषेक कुमार और अंशु प्रिया के रूप में की गई है। हादसे में एक अन्य व्यक्ति की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जिसका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा है। एक साथ पांच शवों के अस्पताल पहुंचते ही परिजनों के करुण क्रंदन से पूरा अस्पताल परिसर गूंज उठा। घटना की जानकारी मिलते ही बाईपास थाना पुलिस बल के साथ मायागंज अस्पताल पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। स्थानीय पंचायत के मुखिया और थानाध्यक्ष ने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश और दुख है। लोगों का कहना है कि सड़कों पर बाढ़ का पानी जमा होने के कारण गड्ढों और नालों की गहराई का पता नहीं चल पा रहा है, जिससे लगातार हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सभी जलजमाव वाले और खतरनाक स्थानों पर तुरंत बैरिकेडिंग की जाए, सुरक्षाकर्मियों की तैनाती हो और लोगों को सतर्क करने के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

मुझे शर्म आ रही...

करने का रिकॉर्ड बनाना चाहता हूं। मैं अब यह करना बंद नहीं करने वाला हूं। साथ ही उन्होंने खुद हाईवे का इंस्पेक्शन करने की भी बात कही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं अक्तूबर में मुंबई एयरपोर्ट पर उतरूंगा और सड़क के रास्ते गोवा जाऊंगा, ताकि खुद हाईवे का इंस्पेक्शन कर सकूं और देख सकूं कि यात्रियों के लिए सफर आसान हुआ है या नहीं। मुंबई-गोवा हाईवे महाराष्ट्र के तटीय कोंकण इलाके से होकर गुजरता है। यह हाईवे उन डेली और कोंकण जाने वाले यात्रियों को राहत देगा, जिन्होंने सालों से गड्ढों वाली सड़कों को झेला है। गडकरी ने अप्रैल 2015 में कहा था कि लंबे समय से अटका मुंबई-गोवा हाईवे उस साल जून तक पूरा हो जाएगा। हालांकि, इसकी देरी में बड़ी वजह जमीन अधिग्रहण को लेकर कानूनी झगड़े भी रहे हैं। साथ ही निचले इलाकों में मानसून के दौरान पानी भरना भी एक बड़ी वजह है। गडकरी ने इस साल मार्च में बताया था कि जंगल की मंजूरी की वजह से हाईवे के कुछ हिस्सों पर काम में देरी हुई है। हालांकि, ये मुद्दे आसानी से सुलझ सकते थे।

उज्जैन में टस से मस ...

हाइड्रोलिक क्रेन की मदद ली गई। इसके बाद अधिक क्षमता वाली मशीनें और पोकलेन भी मौके पर पहुंचाई गईं। प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से उठाने के लिए जंजीरों और अन्य उपकरणों का सहारा लिया गया, पर प्रयास सफल नहीं हुए। प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर कई दौर के प्रयासों के बाद अब प्रतिमा पर अत्यधिक यांत्रिक बल लगाने से बचा जा रहा है। खड़े हनुमान जी की प्रतिमा को स्थानीय स्तर पर लंबे समय से करीब 170 वर्ष पुराना माना जाता रहा है। हालांकि, प्रतिमा की बनावट, पत्थर और शिल्प को लेकर प्रारम्भिक चर्चाओं ने इसके इतिहास को और पुराना होने की संभावना सामने रखी है। कुछ इतिहासकार इसे परमार काल से जोड़ते हैं और लगभग एक हजार वर्ष पुराना होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसी कारण अब इस स्थल को महज एक धार्मिक स्थान के बजाय संभावित ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले स्थल के रूप में भी देखा जा रहा है। दूसरी ओर जमीन के भीतर प्रतिमा के आधार और संरचना की स्थिति जानने के लिए आधुनिक तकनीक, जिसमें थ्रीडी स्कैनिंग जैसी तकनीकों का उपयोग शामिल है, पर विचार किया जा रहा है। वहीं, प्रतिमा को हटाने के प्रयासों की जानकारी सामने आने के बाद कंठाल क्षेत्र में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों के साथ दूसरे शहरों से भी श्रद्धालुओं के यहां पहुंचने का क्रम लगातार जारी है। मंदिर परिसर के आसपास हनुमान चालीसा, रामायण पाठ और भजन-कीर्तन का क्रम चल रहा है। अब भक्तों के लिए प्रतिमा का अपने स्थान पर स्थिर रहना आस्था का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर प्रतिमा को स्थानांतरित करने के प्रयासों से जुड़े वीडियो और तस्वीरें प्रसारित होने के बाद इस मामले ने व्यापक लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। स्थानीय स्तर पर इसे हनुमान जी की सिद्ध प्रतिमा और जाग्रत देवस्थान के रूप में श्रद्धा से देखा जाता है। इस पूरे घटनाक्रम में स्थानीय समाज की भावनाएं भी गहराई से जुड़ गई हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह प्रतिमा लंबे समय से इसी स्थान पर विराजमान है और कई पीढ़ियों ने यहां पूजा-अर्चना की है। क्षेत्र के व्यापारियों और निवासियों का एक वर्ग प्रतिमा को यथास्थान रखने की मांग कर रहा है। मंदिर से जुड़े लोगों का तर्क है कि सड़क की योजना में मामूली बदलाव कर इस प्राचीन धार्मिक स्थल को बचाया जा सकता है। उनका कहना है कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों की सुरक्षा के विकल्प भी तलाशे जाने चाहिए। मंदिर के पुजारी सुलभ शांतनु शर्मा ने प्रतिमा को स्थानांतरित करने से पहले उसकी पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि प्रतिमा को कोई क्षति नहीं पहुंचनी चाहिए और प्रशासन को इसकी ठोस गारंटी देनी होगी। पुजारी का यह भी कहना है कि यदि सड़क के आसपास उपलब्ध भूमि और वैकल्पिक मार्ग की संभावनाओं का परीक्षण किया जाए तो प्रतिमा को विस्थापित किए बिना भी विकास कार्य आगे बढ़ाया जा सकता है। यही मांग अब श्रद्धालुओं के बीच भी प्रमुखता से उठ रही है। इस घटनाक्रम ने एक महत्वपूर्ण सवाल भी खड़ा किया है कि विकास और विरासत के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। प्रशासन के सामने सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन की यातायात व्यवस्था और आधारभूत ढांचे को बेहतर बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। दूसरी ओर, खड़े हनुमान जी की प्रतिमा स्थानीय और व्यापक धार्मिक आस्था का केंद्र है। भारी मशीनरी से प्रतिमा को हटाने के प्रयास सफल नहीं होने के बाद अब विशेषज्ञों की राय और वैज्ञानिक तकनीक की मदद से आगे की रणनीति तैयार किए जाने की दिशा में विचार हो रहा है। इससे यह उम्मीद भी बनी है कि बिना प्रतिमा को नुकसान पहुंचाए समाधान तलाशा जा सकता है। उज्जैन में खड़े हनुमान जी की प्रतिमा के आसपास उमड़ रही श्रद्धा इस पूरे घटनाक्रम को धार्मिक संवेदना से जोड़ रही है। दस दिनों से जारी प्रयासों के बाद भी प्रतिमा का अपने स्थान पर स्थिर रहना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रतीक बन चुका है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि सिंहस्थ की विकास योजनाओं और सदियों पुरानी धार्मिक विरासत के बीच प्रशासन किस तरह ऐसा रास्ता निकालता है, जिसमें उज्जैन का विकास भी हो और उसकी आस्था व विरासत भी सुरक्षित रहे।

अस्पताल से कैदी ...

जांच के अनुसार, तिहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपित नजीबुर रहमान को कथित तौर पर बार-बार बीमार बताकर अस्पताल भेजा जाता था। आरोप है कि चिकित्सक ने उसे योजनाबद्ध तरीके से इलाज के लिए अस्पताल भेजने में भूमिका निभाई, जिसका फायदा उठाकर वह अस्पताल से फरार हो गया। इस मामले में इससे पहले एक पुलिसकर्मी और दो होमगार्ड जवानों को गिरफ्तार किया जा चुका है। नजीबुर रहमान के भाई हिजबुर रहमान को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नजीबुर रहमान के साथ रूपम कलिता और अजय गोवाला नामक दो अन्य कैदी भी अस्पताल के वार्ड से फरार हुए थे। पुलिस फरार कैदियों की तलाश में अभियान चला रही है।

असम-मेघालय सीमा पर...

नोंगमिन (26) और सिनशारलांग नोंगस्पोंग (30) के रूप में हुई है। निर्माण गतिविधि की सूचना मिलने के बाद बोको पुलिस ने तीनों को थाने लाकर पूछताछ की। इसके बाद असम प्रशासन ने मौके पर चल रहे निर्माण कार्य को रुकवा दिया। बोको-छयगांव सह-जिला आयुक्त प्रियंशु भारद्वाज, राजस्व अधिकारी कृष्ण अर्जुन बर्मन तथा अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। बोको-छयगांव सह-जिला पुलिस अधीक्षक जंकिशोर गोगोई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने भी घटनास्थल का दौरा किया। निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों में भी चिंता देखी गई। इस बीच, मेघालय पुलिस द्वारा असम विद्युत विभाग के कर्मचारी नेंगग्राम संगमा को हिरासत में लिए जाने की भी सूचना है। इससे दोनों राज्यों के बीच सीमा क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। हालांकि, दोनों राज्यों की पुलिस ने हिरासत में लिए गए सभी लोगों को बाद में रिहा कर दिया। असम और मेघालय के बीच लंबे समय से सीमा संबंधी संवेदनशीलता बनी हुई है। अंतर्राज्यीय सीमा से लगे इलाकों में क्षेत्रीय दावों को लेकर समय-समय पर तनाव की स्थिति उत्पन्न होती रही है।

जुबीन गर्ग की मौत मामले में तीसरे दिन भी सुश्मिता गोस्वामी ने दी गवाही

गुवाहाटी (हिंस)। जुबीन गर्ग की मौत मामले की सुनवाई के दौरान प्रवासी असमिया सुश्मिता गोस्वामी गुरुवार को लगातार तीसरे दिन गवाही देने के लिए अदालत में उपस्थित हुईं। सिंगापुर से अदालत में गवाही देने पहुंचीं सुश्मिता गोस्वामी उस यॉट पार्टी में मौजूद थीं, जहां जुबीन गर्ग की मौत हुई थी। बताया गया है कि वह जुबीन गर्ग के अंतिम क्षणों तक यॉट पार्टी में मौजूद थीं। सुश्मिता गोस्वामी ने यॉट पार्टी से पहले और उसके बाद की घटनाओं से संबंधित वीडियो भी रिकॉर्ड किए थे।

डिफू में मांजा नदी ने लिया रौद्र रूप, कई इलाके जलमग्न

कार्बी आंगलोंग (हिंस)। असम के डिफू में मांजा नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि से स्थिति गंभीर हो गई है। नदी का पानी कई इलाकों में घुस गया, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रात से ही बचाव अभियान शुरू कर दिया। प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं।

रंगिया : श्री राणी सती दादी मंदिर में 50वां दो दिवसीय वार्षिकोत्सव शुरू

रंगिया (विभास)। शहर के भूटान रोड तिनाली स्थित श्री राणी सती दादी मंदिर प्रांगण में भाद्र अमावस्या के पावन अवसर पर दो दिवसीय 50वां वार्षिक महोत्सव गुरुवार को भव्य श्रृंगार दर्शन, महासंध्या आरती तथा बजरंग भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत भक्तिमय कीर्तन के साथ प्रारंभ हो गया। आयोजक सावरमल बूबना व परिवार ने जानकारी दी कि वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह दिव्य ज्योत प्रज्ज्वलन व महाआरती, दोपहर में श्रद्धालुओं द्वारा भव्य मंगल पाठ, संध्या 7 बजे 56 भोग अर्पण तथा 7-30 बजे महासंध्या आरती व प्रसाद वितरण जैसे विविध धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे, जिसमें समस्त समाज बंधुओं एवं सर्व-जातीय श्रद्धालुओं को सपरिवार आमंत्रित किया गया है।

समाज के अंतिम पंक्ति के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना डीआईईटी की प्राथमिकता हो : रणोज पेगू

गुवाहाटी (हिंस)। असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रणोज पेगू ने राज्य के डीआईईटी संस्थानों से समाज के अंतिम पंक्ति के प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है। पेगू ने गुरुवार को खानापाड़ा स्थित असम प्रशासनिक पदाधिकारी महाविद्यालय में राज्य के डीआईईटी संस्थानों के साथ आयोजित दो दिवसीय परामर्श बैठक में हिस्सा लेते हुए यह बात कही। बैठक में डीआईईटी संस्थानों द्वारा पिछले समय में उठाए गए विभिन्न कदमों की समीक्षा की गई तथा परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण, दक्षता-आधारित मूल्यांकन और मूलभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री ने धीमी गति से सीखने वाले विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर और आवश्यक सहयोग मिलना चाहिए, ताकि वह अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सके। पेगू ने कहा कि शिक्षकों

और विद्यार्थियों को नई तकनीकों के साथ परिचित और दक्ष बनना होगा। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उचित इस्तेमाल से शिक्षा की गुणवत्ता में और सुधार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल परीक्षाओं में अच्छे परिणाम तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि पढ़ने-लिखने के माध्यम से बौद्धिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना चाहिए। शिक्षा विभाग के सहयोग से आगे बढ़ाए जा रहे *बोधन एआई* पहल का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि यह एआई आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करने के साथ शिक्षकों को स्थानीय एवं मातृभाषाओं में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री तैयार करने और साझा करने में मदद करेगा। उन्होंने प्रत्येक डीआईईटी में विद्या समीक्षा केंद्र स्थापित करने की योजना की भी जानकारी दी। पेगू के अनुसार, एआई, मशीन लर्निंग और एकीकृत आंकड़ों के इस्तेमाल से शिक्षा क्षेत्र में वास्तविक समय की निगरानी और आंकड़ा आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया को और मजबूत किया जा सकेगा। मंत्री ने राज्य के डीआईईटी संस्थानों द्वारा पहले प्रकाशित पुस्तकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से डीआईईटी संस्थानों के ज्ञान, शोध, शैक्षणिक सामग्री और नवाचार संबंधी कार्यों को अधिक से अधिक शिक्षकों और विद्यार्थियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की निदेशक डॉ. निरदा देवी के अलावा राज्य के विभिन्न जिलों के डीआईईटी संस्थानों के अध्यक्ष और प्रवक्ताओं ने हिस्सा लिया।

गुवाहाटी में भाजपा की वर्धित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आज

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश की वर्धित राज्य कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित की जाएगी। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता किशोर उपाध्याय ने गुरुवार को बाजपेयी भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैठक में प्रदेश संगठन की आगामी कार्ययोजना, संगठन को और मजबूत बनाने तथा विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर चर्चा होगी। बैठक से असम में पार्टी के जनोन्मुखी कार्यक्रमों को और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, राज्य कार्यकारिणी सदस्य, मंत्री, सांसद, विधायक, विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष एवं महासचिव, प्रवक्ता, पैनलिस्ट, प्रकोष्ठों एवं विभागों के संयोजक-सहसंयोजक, जिला प्रभारी एवं सहप्रभारी तथा जिला अध्यक्ष शामिल होंगे। इसके अलावा निगम-बोर्ड के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य, राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य भी मौजूद रहेंगे। स्वायत्तशासी परिषदों के मुख्य कार्यकारी सदस्य, विकास प्राधिकरणों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, जिला परिषद अध्यक्ष, पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक भी बैठक में आमंत्रित किए गए हैं। विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में *सेवा संकल्प अभियान* के प्रदेश, मंडल एवं जिला स्तर के संयोजक तथा सदस्य, क्षेत्रीय पंचायतों के अध्यक्ष, नगर निगम के महापौर एवं उपमहापौर और नगरपालिका अध्यक्ष भी बैठक में भाग लेंगे। उपाध्याय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय राजनीति में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में असम सहित पूरे देश में 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक *सेवा संकल्प अभियान* चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्तूबर, 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद 26 मई, 2014 को उन्होंने पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत देशभर में कुल 13 कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है और असम में भी इनके सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। अभियान के पहले कार्यक्रम के रूप में 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर *आशीर्वाद की बत्ती* कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

हजारिका ने सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक की, पांच वर्षों में 6,000 करोड़ खर्च का लक्ष्य

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कृषि एवं सिंचाई मंत्री पीयूष हजारिका ने गुरुवार को दिसपुर स्थित पीडब्ल्यूडी कन्वेंशन सेंटर में सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और पंजीकृत ठेकेदारों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य के कृषि क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। हजारिका ने कहा कि राज्य की करीब 70 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन वर्तमान में केवल 21 फीसदी खेती योग्य भूमि ही सिंचाई सुविधा से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाना सिंचाई विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मंत्री ने बताया कि अगले पांच वर्षों में सिंचाई विभाग ने 6,000 करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले पांच वर्षों में विभाग द्वारा करीब 1,400 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। उन्होंने बताया कि सिंचाई बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक्सटर्नली एडेड प्रोजेक्ट्स (ईएपी) के तहत केंद्र सरकार को एक बड़ा प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष से रखरखाव एवं मरम्मत कार्यों के लिए जिला कार्यालयों को अग्रिम राशि उपलब्ध कराई जाएगी और अधिकारियों को आवंटित राशि का पूरी तरह उपयोग करने का निर्देश दिया।

हजारिका ने ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे उन्हीं परियोजनाओं की जिम्मेदारी लें जिन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग का उद्देश्य किसानों को वास्तविक लाभ पहुंचाना है, न कि केवल ठेकेदारों के लिए रोजगार पैदा करना। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करने की बात कहते हुए इंजीनियरों को परियोजनाओं का नियमित एवं कड़ाई से स्थल निरीक्षण करने का निर्देश दिया। भौतिक सत्यापन के बिना पूर्णता प्रमाणपत्र जारी नहीं करने तथा ठेकेदारों के बिलों के भुगतान में अनावश्यक देरी नहीं करने को भी कहा। लिफ्ट सिंचाई योजनाओं (एलआईएस) में लागत कम करने और सिंचाई का दायरा बढ़ाने के लिए मंत्री ने इंटेक प्वाइंट की संख्या कम करने तथा वितरण प्वाइंट बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कृषि को केवल गरीबों की आजीविका के साधन के रूप में देखने के बजाए उच्च मूल्य वाली बागवानी और व्यावसायिक खेती की ओर ले जाना जरूरी है, ताकि किसानों की आय बढ़ाई जा सके। हजारिका ने यह भी निर्देश दिया कि सिंचाई परियोजनाओं को प्रशासनिक जिला सीमाओं तक सीमित न रखा जाए और जरूरत के अनुसार आपस में जुड़े कृषि क्षेत्रों तक उनका विस्तार किया जाए।

प्रथम वाहिनी एसएसबी मुख्यालय में तनाव प्रबंधन कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। सोनापुर स्थित प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) मुख्यालय में तनाव से मुक्ति और आंतरिक शक्ति बढ़ाने के विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम गुरुवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम का आयोजन आरईआरएफ, माउंट आबू के सुरक्षा सेवा विंग की ओर से एसएसबी कर्मियों के लिए किया गया था। 9 और 10 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम का संचालन प्रथम वाहिनी एसएसबी, सोनापुर के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने 9 सितंबर को दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान कैप्टन शिव सिंह, प्रो. ओंकार सिंह और बीके खुशबू ने तनाव प्रबंधन, आत्म-सशक्तीकरण, सकारात्मक सोच, संबंधों में सामंजस्य, नींद प्रबंधन, ध्यान, भावनात्मक संतुलन तथा खुशहाल जीवन जीने की कला पर जानकारीपूर्ण और संवादात्मक सत्र आयोजित किए। प्रतिभागियों को व्यक्तिगत जीवन और आधिकारिक दायित्वों के दौरान तनाव के कारणों की पहचान करने तथा उसे प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। मानसिक शांति बनाए रखने, सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने, भावनाओं पर नियंत्रण, एकाग्रता बढ़ाने और आत्मविश्वास मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान ध्यान और एकाग्रता से जुड़े अभ्यास भी कराए गए। साथ ही, सकारात्मक सोच तथा अपनी आंतरिक क्षमता को पहचानने और उसे विकसित करने के तरीकों की जानकारी दी गई। पर्याप्त नींद, संतुलित दिनचर्या और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। समापन समारोह में कमांडेंट सुनील कौशिक ने आरईआरएफ, सुरक्षा सेवा विंग, माउंट आबू की टीम के प्रयासों की सराहना की।

तामुलपुर की बच्ची के किडनी प्रत्यारोपण के लिए चल रहा इलाज : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य के प्रत्येक परिवार की समस्या को वह अपनी समस्या मानते हैं और संकट में मदद मांगने वाले हर व्यक्ति की सहायता करने का प्रयास करते हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर तामुलपुर की एक बच्ची के इलाज से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए बताया कि तामुलपुर जाते समय एक मां ने अपनी बेटी के किडनी प्रत्यारोपण के लिए मदद की गुहार लगाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्ची को नया जीवन देने के लिए उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेगा।

शिवसागर में आरोग्य एमआईई प्राथमिक प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ

शिवसागर (हिंस)। सेवा भारती पूर्वांचल के तत्वावधान में तथा शिवसागर जिले के राजाबाड़ी स्थित चाओ-का-फा मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल के सहयोग से *आरोग्य एमआईई* प्राथमिक प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चाओ-का-फा अस्पताल के सीईओ डॉ. राजीव यादव और माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. भास्कर दास उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेवा भारती पूर्वांचल के आरोग्य एमआईई परियोजना प्रमुख डॉ. अरुण कुमार बनर्जी, सेवा भारती पूर्वांचल के प्रांत संगठन मंत्री कृष्णकांत गोगोई तथा आरोग्य एमआईई के प्रांत प्रमुख रणजीत बूढ़ागोहाईं सहित संगठन के पूर्णकालिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह प्रशिक्षण वर्ग 7 सितंबर से 13 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

स्वच्छता ही सेवा 2026 को जनांदोलन बनाने पर जोर, मंत्री कौशिक राय ने की तैयारियों की समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के आवास एवं शहरी कार्य मंत्री कौशिक राय ने गुरुवार को केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित वर्चुअल बैठक में हिस्सा लेकर स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2026 अभियान की तैयारियों और कार्यान्वयन की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की। स्वच्छता ही सेवा 2026 का आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक *स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारत* थीम के तहत किया जाएगा। अभियान में सरकार के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया है। कछार के आयुक्त कार्यालय से वर्चुअल बैठक में शामिल हुए राय ने कहा कि असम वर्ष 2017 से स्वच्छता ही सेवा अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार अभियान को केवल सफाई अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे स्वच्छ, हरित और टिकाऊ असम के निर्माण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का आंदोलन बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल शहरी स्थानीय निकायों या सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें जनप्रतिनिधियों, सरकारी विभागों, युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों, गैर-सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र और आम नागरिकों की समान भागीदारी जरूरी है। मंत्री ने बताया कि असम ने अभियान के लिए राज्य कार्ययोजना और गतिविधि कैलेंडर तैयार कर लिया है। इसमें स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों और स्वच्छ सार्वजनिक स्थलों का कायाकल्प, *स्वच्छ पाठशाला-युवा फॉर स्वच्छता, सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर, जन भागीदारी फॉर स्वच्छता* और *स्वच्छता से समृद्धि* को प्रमुख आधार बनाया गया है। *स्वच्छ पाठशाला* के तहत स्कूलों, कॉलेजों, एनएसएस, एनसीसी, ईको-क्लब और युवा स्वयंसेवकों को कचरा पृथक्करण, सतत कचरा प्रबंधन, कम उपयोग-पुन: उपयोग-पुनर्चक्रण, जागरूकता कार्यक्रम, वाद-विवाद और कला प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। वहीं, स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों और कचरा संवेदनशील स्थानों का समयबद्ध तरीके से कायाकल्प किया जाएगा। बाजारों, पर्यटन स्थलों, सार्वजनिक संस्थानों, पार्कों, जल निकायों, सार्वजनिक शौचालयों, परिवहन केंद्रों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। राय ने जनभागीदारी के तहत घर-घर जागरूकता अभियान, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, घरेलू कंपोस्टिंग, प्लास्टिक मुक्त पहल और पुन: उपयोग एवं पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने की बात कही। खेल गतिविधियों, कपड़े और जूट के थैलों के उपयोग तथा आरआरआर केंद्रों के पुनर्जीवन को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। सफाई कर्मियों पर विशेष जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि *सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर* के तहत स्वास्थ्य जांच, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच, सुरक्षात्मक उपकरणों का वितरण और सफाई कर्मियों के योगदान को सम्मानित करने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों की सुरक्षा, गरिमा और कल्याण अभियान के बाद भी निरंतर प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। *स्वच्छता से समृद्धि* के तहत *कचरा ही संपदा* की अवधारणा को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए कबाड़ से जुगाड़, कबाड़ से कला, प्लास्टिक पुनर्चक्रण मेले तथा कचरे के पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण जैसी पहलें संचालित की जाएंगी। राय ने बताया कि 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन स्थलों और अन्य प्रमुख स्थानों पर स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

विधानसभा क्षेत्र के आधार पर थानों के पुनर्गठन को लेकर फकीराग्राम में नागरिक सभा का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। असम सरकार द्वारा राज्य में विधानसभा क्षेत्रों के आधार पर पुलिस थानों के पुनर्गठन के निर्णय को लेकर बाउखूंगारी विधानसभा क्षेत्र के केंद्र बिंदु फकीराग्राम में एक महत्वपूर्ण नागरिक सभा का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रशासनिक पुनर्गठन की रूपरेखा और स्थानीय जनता की सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सभा में बाउखूंगारी के विधायक रूपम चंद्र राय, बिटिसी के बाउखूंगारी क्षेत्र के एमसीएलए दोनेश्वर गयारी और फकीराग्राम क्षेत्र के एमसीएलए अनामूल हक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ पुलिस विभाग के शीर्ष अधिकारी

और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के अनुसार थानों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण होने से कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आम नागरिकों तक पुलिस सेवा को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने इस पुनर्गठन प्रक्रिया को लेकर स्थानीय लोगों से सुझाव और प्रतिक्रियाएं भी लिया गया।

आईआईटी गुवाहाटी में *विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस* का आयोजन

अमिनगांव (विभास)। जिला प्रशासन, कामरूप और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को आईआईटी गुवाहाटी में *विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस* मनाया गया। इस आयोजन का उद्देश्य आत्महत्या की रोकथाम के प्रति अधिक जागरूकता पैदा करना, मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत को बढ़ावा देना और लोगों को समय पर सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस वर्ष के विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस का विषय *आत्महत्या पर दृष्टिकोण बदलना* था, जिसका मुख्य आह्वान *बातचीत शुरू करें* था। इस अवसर पर बोलते हुए वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. जयंत दास ने इस बात पर जोर दिया कि मानसिक स्वास्थ्य अक्सर एक ऐसा विषय बना रहता है जिस पर लोग खुलकर चर्चा करने से कतराते हैं। उन्होंने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य की तरह ही स्कूलों, कार्यस्थलों, परिवारों और समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य पर बिना किसी झिझक के चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने मानसिक तनाव या अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वाले व्यक्तियों को अपनी भावनात्मक कठिनाइयों को व्यक्त करने और समय पर मदद लेने के लिए प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल दिया। कामरूप के जिला आयुक्त देबा कुमार मिश्रा ने एक ऐसे सहायक वातावरण को तैयार करने के महत्व को रेखांकित किया जहां लोग बिना किसी डर या संकोच के मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात कर सकें। उन्होंने बच्चों और युवाओं के मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने में सकारात्मक और सहयोगी पेरेंटिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की जल्द पहचान, सक्रियता से सुनने, भावनात्मक समर्थन देने और आत्महत्या की रोकथाम के लिए समय पर पेशेवर मदद लेने के महत्व को दोहराया गया।

पीएम श्री जेएनवी विश्वनाथ में गुवाहाटी क्लस्टर स्तरीय कला उत्सव का भव्य आयोजन

पाभोई रोड (विभास)। नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) शिलांग संभाग के तत्वावधान में *आर्ट इन एजुकेशन* (आर्ट इन एजुकेशन) पहल के तहत पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, विश्वनाथ, असम में दो दिवसीय गुवाहाटी क्लस्टर स्तरीय कला उत्सव 2026 का सफल आयोजन किया गया। 8 और 9 सितंबर 2026 को आयोजित इस भव्य उत्सव में विभिन्न विधाओं जैसे दृश्य कला (2द और 3द पेंटिंग), संगीत, वाद्य यंत्र वादन, स्वदेशी खिलौने और स्थानीय शिल्प (लोकल क्राफ्ट्स) में छात्र-छात्राओं ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह पूरा कार्यक्रम वेन्यू प्रिंसिपल श्री राजेश कुमार वर्मा के कुशल नेतृत्व में बेहद अनुशासित और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। इस बड़े आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ का भी भरपूर और सराहनीय

योगदान रहा, जिन्होंने दिन-रात लगकर सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाया। उत्सव का शुभारंभ 8 सितंबर को सुबह 10 बजे गरिमामयी माहौल में उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वनाथ कृषि महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. आरएन बर्मन उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नॉर्थ-ईस्ट फार्म मशीनरी एंड टेस्टिंग के वर्तमान प्रशिक्षण प्रभारी व कृषि इंजीनियर नितीश कुमार वर्मा मौजूद रहे। विशेष बात यह है कि नितीश कुमार वर्मा जेएनवी घटिया (उज्जैन, मध्य प्रदेश) के वर्ष 2002 बैच के पूर्व छात्र भी हैं। समारोह की शुरुआत में वेन्यू प्रिंसिपल राजेश कुमार वर्मा द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, प्रतियोगिता के सम्मानित निर्णायक मंडल और विभिन्न विद्यालयों से आए एस्कॉर्ट शिक्षकों का औपचारिक अभिनंदन किया गया। इसके बाद अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित कर उत्सव की आधिकारिक शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि डॉ. आरएन बर्मन ने अपने ज्ञानवर्धक भाषण में शिक्षा में कला के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतियोगिता को प्रारंभ करने की घोषणा की, जिसके बाद धन्यवाद प्रस्ताव के साथ उद्घाटन सत्र संपन्न हुआ और प्रतियोगिताएं शुरू हुईं। कला उत्सव दो दिनों तक चली कड़ी प्रतियोगिताओं के बाद 9 सितंबर को शाम 6 बजे से समापन व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वनाथ चारियाली के जिला खेल अधिकारी (डीएसओ) अंकुर ज्योति पाठक उपस्थित हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर विद्यालय चिकित्सक डॉ. रंजीत कुमार दास एवं प्रसिद्ध रंगमंच निर्देशक कुशल दास ने शिरकत की। अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्ज्वलन के बाद सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत हुई, जिसमें जेएनवी कामरूप के छात्र द्वारा मनमोहक *इंस्ट्रूमेंटल मेलोडिक सोलो* की प्रस्तुति दी गई और जेएनवी मोरीगांव के विद्यार्थियों ने शानदार *समूह गान* प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अंत में मुख्य अतिथि अंकुर ज्योति पाठक ने अपने प्रेरक संबोधन के बाद *कला उत्सव 2026* के समापन की आधिकारिक घोषणा की और विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक जयंत पॉल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस सफल कार्यक्रम का समापन हुआ।

संपादकीय

जेन-जी का 'चुनावी तराना'

आजकल युवाओं, जेन-जी को साधने, लुभाने, पुचकारने और उसके तराने गाने की होड़ मची है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी सबसे आगे हैं। वह जिस आयोजन में जा रहे हैं अथवा गुजरात के वडोदरा में 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' का उद्घाटन और 35,000 करोड़ रुपए की घोषणाएं कर रहे हों या 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' को संबोधित कर रहे हों, उन्हें चारों तरफ 'युवा-युवा' ही दिखाई देते हैं। कमाल यह है कि जेन-जी भी प्रधानमंत्री से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं और उन्हें ही 'विकसित भारत' की बुनियाद का नेता मान रहे हैं। संभव है कि ऐसे बयान 'प्रायोजित' हों। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में कुछ दीक्षांत समारोहों और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में मंचों से भी जेन-जी को साधने के प्रयास किए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बीते कुछ समय से 'छात्रों की गूंज' के जरिए जेन-जी के 'सबसे बड़े हमदर्द' साबित होने की राजनीति खेल रहे हैं। वह अपने आवास पर युवाओं से मुलाकातें कर रहे हैं और देश का विमर्श साझा कर रहे हैं। जेन-जी के कुछ चेहरों के साथ पुलिस स्टेशन तक जाकर और छोटा-सा धरना देकर प्राथमिकी दर्ज करवा रहे हैं, ताकि युवाओं का जन-समर्थन बटोरा जा सके। यहां तक कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कबूल किया है कि नई पीढ़ी, नई सोच के साथ नई पोशाक भी होनी चाहिए। नतीजतन उन्होंने 'समाजवाद' का रंग भी 'नीला' कर दिया है। समाजवादी नौजवान सभा से जुड़े काडर की वेशभूषा लाल-हरी के बजाय 'गहरी नीली' कर दी गई है। वह 'काली-सी' लगती है। अखिलेश की एक आंख जेन-जी पर है, तो दूसरी आंख दलितों पर है, लिहाजा बाबा अंबेडकर का राग अलापना और हर पार्टी-कार्यालय में अंबेडकर के चित्र को 'अनिवार्य' घोषित किया है। जेन-जी के प्रति ये तराने निरर्थक नहीं हैं। चुनाव जीतने के मद्देनजर जेन-जी के सुर बजाए जाने लगे हैं। यदि हमारी राजनीतिक जमात की युवाओं के प्रति चिंता और प्रतिबद्धता वाकई गंभीर होती, तो कमोबेश देश में 8.70 करोड़ युवा ऐसे न होते, जो न तो पढ़ रहे हैं, न काम कर रहे हैं और न ही कोई ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। यह कोई निजी डाटा नहीं, बल्कि भारत सरकार के नीति आयोग के अध्ययन का निष्कर्ष है। बहरहाल 2027 में 7 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। उनमें उप्र, गुजरात, पंजाब आदि राज्यों के चुनाव बेहद महत्वपूर्ण हैं। उप्र में अब 4.54 करोड़ जेन-जी मतदाता हैं। गुजरात में 1.23 करोड़ अर्थात करीब 28 फीसदी युवा मतदाता हैं। पंजाब में यह संख्या 53.87 लाख है। मणिपुर में 4.71 लाख और गोवा में 2.10 लाख जेन-जी मतदाता हैं। ये मतदाता किसी भी दल को सरकार बनवाने और स्थापित सत्ता को उखाड़ फेंकने में सक्षम हैं। मजबूरन जेन-जी के तराने गाने पड़ रहे हैं। 2029 के लोकसभा चुनाव की घंटियां अभी से बजनी शुरू हो गई हैं। जेन-जी आबादी 37-38 करोड़ बताई जा रही है। अब हर चार मतदाताओं में से एक मतदाता जेन-जी है। कल्पना करें कि यदि अमरीकी आबादी से अधिक इतने मतदाताओं में ध्रुवीकरण होता है, तो चुनाव के नतीजे क्या हो सकते हैं? शायद इसी चुनाव-नीति के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने सभी मंत्रियों और पार्टी स्तर पर सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय हों और जेन-जी से खुद को साझा करें। मंत्री और सांसद आदि विश्वविद्यालयों में भी जाएंगे और एक पूरा दिन युवा छात्रों के बीच बिताएंगे। उनकी समस्याओं को समझने के प्रयास करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी जेन-जी का तराना गाएंगे। क्या ऐसी कवायदों से जेन-जी को पटाया जा सकता है या भाजपा के साथ जोड़ा जा सकता है? वैसे 2024 के आम चुनाव में 40 फीसदी से अधिक युवाओं ने भाजपा के पक्ष में वोट दिया था। उसके बाद अब परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। बेशक जेन-जी ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग या सत्ता-परिवर्तन का आह्वान नहीं किया है, लेकिन वे शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार को लेकर व्यवस्था-परिवर्तन करना चाहते हैं। व्यवस्था-परिवर्तन के मायने क्या होते हैं? बेशक सरकार और विभिन्न राजनीतिक दल महसूस कर रहे हैं कि यदि जेन-जी का आक्रोश, गुस्सा, विद्रोह अपनी हदें लांघने लगेगा, तो कोई भी सत्ता बच नहीं पाएगी। यह वह समय है जब सभी दलों को युवाओं से जुड़े मसलों के प्रति सहानुभूति वाली रवैया अपनाना होगा। चुनाव के एजेंडे में युवा मसलों को जगह देनी होगी। युवाओं का सबसे बड़ा मुद्दा उन्हें शिक्षा के मुताबिक रोजगार दिलाना है। यह निश्चित है कि करोड़ों की संख्या में सभी युवाओं को सरकारी नौकरियां नहीं दी जा सकतीं। सार्वजनिक नौकरियों की अपनी सीमाएं हैं। इसलिए निजी क्षेत्र को इस तरह विकसित करना होगा कि वहां युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में कुछ दीक्षांत समारोहों और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह के मंचों से भी जेन-जी को साधने के प्रयास किए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बीते कुछ समय से 'छात्रों की गूंज' के जरिए जेन-जी के 'सबसे बड़े हमदर्द' साबित होने की राजनीति खेल रहे हैं। वह अपने आवास पर युवाओं से मुलाकातें कर रहे हैं और देश का विमर्श साझा कर रहे हैं। जेन-जी के कुछ चेहरों के साथ पुलिस स्टेशन तक जाकर और छोटा-सा धरना देकर प्राथमिकी दर्ज करवा रहे हैं, ताकि युवाओं का जन-समर्थन बटोरा जा सके। यहां तक कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कबूल किया है कि नई पीढ़ी, नई सोच के साथ नई पोशाक भी होनी चाहिए। नतीजतन उन्होंने 'समाजवाद' का रंग भी 'नीला' कर दिया है। समाजवादी नौजवान सभा से जुड़े काडर की वेशभूषा लाल-हरी के बजाय 'गहरी नीली' कर दी गई है। वह 'काली-सी' लगती है। अखिलेश की एक आंख जेन-जी पर है, तो दूसरी आंख दलितों पर है, लिहाजा बाबा अंबेडकर का राग अलापना और हर पार्टी-कार्यालय में अंबेडकर के चित्र को 'अनिवार्य' घोषित किया है। जेन-जी के प्रति ये तराने निरर्थक नहीं हैं। चुनाव जीतने के मद्देनजर जेन-जी के सुर बजाए जाने लगे हैं। यदि हमारी राजनीतिक जमात की युवाओं के प्रति चिंता और प्रतिबद्धता वाकई गंभीर होती, तो कमोबेश देश में 8.70 करोड़ युवा ऐसे न होते, जो न तो पढ़ रहे हैं, न काम कर रहे हैं और न ही कोई ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं।

वर्ष 2015 में मुंबई के मालवानी में जहरीली शराब से 100 लोगों की मौत हो गई थी

शराब बन रही काल, बचने का क्या है उपाय

देश में जहरीली शराब से मौत के बढ़ते मामले चिंताजनक हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश का है। राज्य के सागर जिले के बंडा और शाहगढ़ तहसील के गांवों में नकली व जहरीली शराब पीने से दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। कई लोगों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एक माह के भीतर देश में यह दूसरी बड़ी शराब त्रासदी है जिससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है। पिछले माह गुजरात के भावनगर जिले में नकली और जहरीली शराब पीने से एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। गत मई माह में भी महाराष्ट्र में जहरीली शराब से डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग कालकवलित होने का मामला सामने आया था। तमिलनाडु, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और असम में भी अवैध शराब के सेवन से मौत की कई घटनाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2015 में मुंबई के मालवानी में जहरीली शराब से 100 लोगों की मौत हो गई थी। इसी तरह पंजाब में वर्ष 2020 में मिलावटी शराब पीने से 100 से अधिक लोग काल के ग्रास में समा गए थे। शराबबंदी के बावजूद बिहार के सारण में वर्ष 2022 में जहरीली शराब पीने से 40 लोगों की मौत ने पूरे देश को हिला दिया था। इसी तरह जून 2024 में तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब से 50 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। जिस देश में दूषित जल और नकली दवाइयों की वजह से लोगों की मौत के मामले सामने आते रहते हैं, वहां जहरीली शराब से होने वाली मौतें किसी को आश्चर्यचकित नहीं करतीं। फिर, शराब की लत के शिकार लोगों के प्रति हेय दृष्टि की वजह से ऐसे मामलों में पीड़ित लोग सहानुभूति तक के लिए तरस जाते हैं। मध्यप्रदेश और गुजरात के शराब दुखांतिकाओं में एक खास समानता यह है कि दोनों ही मामलों में नकली ब्रांडेड शराब हादसे का कारण बनी। जाहिर है शराब माफिया अवैध रूप से निर्मित शराब की बोतलों पर ब्रांडेड शराब के लेबल लगा कर बेच रहे हैं। असली शराब में इथेनॉल होता है, जबकि नकली और अवैध शराब में औद्योगिक ग्रेड का मेथनॉल इस्तेमाल किया जाता है। यही ज्यादातर शराब त्रासदियों के लिए जिम्मेदार होता है। मध्यप्रदेश की शराब दुखांतिका के लिए भी यही जिम्मेदार माना जा रहा है। गुजरात में जिस नकली ब्रांडेड शराब पीने से हादसा हुआ उसमें करीब 38 प्रतिशत तक मेथनॉल पाया गया था। मेथनॉल का इस्तेमाल करके शराब बनाई जाती है तो वह जहरीली हो जाती है। मेथनॉल की गंध और स्वाद सामान्य शराब यानी इथेनॉल से मिलते-जुलते हो सकते हैं, जिससे मिलावट का पता लगाना मुश्किल होता है। संविधान में सरकार से अपेक्षा की गई है कि वह शराब के सेवन को हतोत्साहित करने के लिए प्रयास करेगी। इसलिए शराब पर अधिक से अधिक टैक्स की पैरवी की जाती है और शराबबंदी के पक्ष में भी माहौल बनाया जाता है। शराब की वजह से सेहत ही नहीं, परिवार और समाज को होने वाले नुकसान के लिहाज से तो ये दोनों कदम ठीक लगते हैं लेकिन व्यवहार में इसके दुष्परिणाम सामने आते हैं। अत्यधिक टैक्स से वैध शराब महंगी हो जाने के कारण गरीबों की पहुंच से दूर हो जाती है। कमजोर वर्ग के लोग अवैध रूप से बनने वाली सस्ती शराब खरीदने लगते हैं, जो जानलेवा साबित होती है। मध्यप्रदेश में पीड़ितों के परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यह शराब कुछ सस्ती थी और दुकानदारों ने भरोसा दिलाया था कि यह नकली नहीं है। सस्ती के चक्कर में लोगों ने इसे खरीदा जिससे कई लोग काल के ग्रास में समा गए।

राज्य के सागर जिले के बंडा और शाहगढ़ तहसील के गांवों में नकली व जहरीली शराब पीने से दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। कई लोगों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एक माह के भीतर देश में यह दूसरी बड़ी शराब त्रासदी है जिससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है। पिछले माह गुजरात के भावनगर जिले में नकली और जहरीली शराब पीने से एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। गत मई माह में भी महाराष्ट्र में जहरीली शराब से डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोग कालकवलित होने का मामला सामने आया था। तमिलनाडु, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और असम में भी अवैध शराब के सेवन से मौत की कई घटनाएं हो चुकी हैं।

शराब पर ज्यादा से ज्यादा टैक्स लगाने से राजकोष जरूर भरता है लेकिन शराब पीने की प्रवृत्ति पर खास असर नहीं हो रहा। बाजार में सस्ती शराब की मांग के कारण अवैध रूप से शराब बनाने और बेचने का नेटवर्क जरूर मजबूत हो रहा है। इसलिए शराब की कीमतों को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए। दूसरी तरफ जब शराबबंदी लागू की जाती है, तो लोग ब्रांडेड शराब भी चोरी छिपे खरीदते हैं, जिससे नकली ब्रांडेड शराब का अवैध कारोबार भी जड़ें जमा लेता है। जैसे गुजरात में जो हादसा हुआ, उसमें पीड़ितों ने नामी ब्रांड की नकली शराब का सेवन किया था जो जहरीली थी। लोगों को शराब से दूर रखने, उनका स्वास्थ्य बचाने और महिलाओं की सुरक्षा के लिए शराबबंदी का समर्थन किया जाता है। संविधान का आर्टिकल 47 (राज्य के नीति-निर्देशक तत्व) राज्य को शराबबंदी लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हालांकि नीति-निर्देशक तत्व कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं, लेकिन इसमें कहा गया है कि "राज्य औषधीय उपयोग को छोड़कर नशीले पदार्थों और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नशीली दवाओं के सेवन पर रोक लगाने की कोशिश करेगा।" मुश्किल यह है कि जब शराबबंदी पूरी तरह लागू होती है तो अवैध बाजार बढ़ता है। शराब माफिया पनपता है। इसी वजह से ज्यादातर मामलों में शराबबंदी का प्रयोग विफल हुआ है। हरियाणा सरकार ने 1996 में शराबबंदी लागू की थी, लेकिन 1998 में इसे निरस्त कर दिया गया। आंध्र प्रदेश में 1994 में शराबबंदी लागू की गई, जिसे शीघ्र ही हटा लिया गया। केरल, मणिपुर और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने भी कुछ समय के लिए शराबबंदी लागू की थी, लेकिन बाद में इसे समाप्त कर दिया गया। वर्तमान में गुजरात और बिहार में शराबबंदी जरूर लागू है, लेकिन वहां भी अवैध शराब माफिया पनप गया है। गुजरात में नामी ब्रांड की नकली शराब पीने से हुआ हादसा इसका उदाहरण है। मध्यप्रदेश और गुजरात के ताजा हादसे इस बात के गवाह हैं कि जिन राज्यों में शराबबंदी लागू है, वहां भी शराब माफिया का नेटवर्क मजबूत है और जिन राज्यों में शराबबंदी लागू नहीं है वहां भी शराब माफिया खुल कर खेल रहे हैं। इससे साफ है कि पुलिस, आबकारी विभाग और प्रशासन या तो शराब माफिया के आगे बेबस हैं या फिर मिलीभगत का खेल चल रहा है। दोनों ही स्थितियों में सरकारें अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकतीं। जब अपराधी बेखौफ हों तो जनता कैसे सुरक्षित रहेगी। सवाल यह है कि कानून का राज कायम करने की जिम्मेदारी जिन संस्थाओं पर है, वे क्या सिर्फ आम आदमी को डराने—धमकाने के लिए ही हैं। शराब माफिया पर कठोर कार्रवाई आवश्यक है। जहरीली शराब से मौतें तभी रुकेंगी जब जहरीली शराब बनना बंद होगी। अगर प्रशासन चाहे तो कठोर कार्रवाई कर शराब के इन ठिकानों को ध्वस्त कर सकता है और जहरीली शराब बनाने पर रोक लगा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया भर में हर साल शराब की वजह से लगभग 30 लाख लोगों की जान चली जाती है। भारत में भी हर साल शराब पीने से करीब 2.6 लाख लोगों की मौत होती है जिसमें जहरीली शराब से होने वाली मौतें भी शामिल हैं। जाहिर है, शराब की लत में फंसे लोगों के लिए उपचार और पुनर्वास कार्यक्रम चलाना जरूरी है। नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए। गरीबों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर ध्यान दिया जाए। शराबखोरी के खिलाफ माहौल बनाने के लिए जनजागरण जरूरी है।

देश दुनीया से

तुलना का जहर, खुशी का अमृत

क्या हमने कभी गुलाब को कमल बनने की कोशिश करते देखा है? क्या आम का पेड़ कभी बरगद से ईर्ष्या करता है? क्या नदी समुद्र से शिकायत करती है कि वह उससे छोटी क्यों है? प्रकृति में कहीं तुलना नहीं है, इसलिए वहां संघर्ष नहीं, केवल विकास है। तुलना केवल मनुष्य करता है, और शायद यही हमारी सबसे बड़ी त्रासदी है। जिस दिन हमने स्वयं को दूसरों की आंखों से देखना शुरू किया, उसी दिन हमने अपनी सहज मुस्कान खो दी। तब से हम जीने से अधिक साबित करने में लगे हैं। हम अपनी खुशी नहीं जीते, बल्कि दूसरों को दिखाने के लिए खुशी का अभिनय करते हैं। सच तो यह है कि यदि आज परमात्मा हमारे सामने प्रकट होकर केवल एक वरदान देने को कहे और पूछे कि 'हमेशा खुश रहने के लिए तुम्हें सबसे पहले क्या छोडना होगा?' तो अधिकांश लोग गरीबी, क्रोध, अहंकार या आलस्य का नाम लेंगे। लेकिन आधुनिक मनोविज्ञान और भारतीय दर्शन दोनों जिस उत्तर की ओर संकेत करते हैं, वह है, तुलना। तुलना वह अदृश्य चोर है जो हमारी खुशियां चुरा लेता है, बिना दरवाजा तोड़े, बिना आवाज किए। आज का मनुष्य इतिहास का सबसे सुविधासंपन्न मनुष्य है। हमारे पास वातानुकूलित घर हैं, तेज गाडियां हैं, मोबाइल फोन हैं, इंटरनेट है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता है, विश्व भर की जानकारी उसकी उंगलियों पर है। फिर भी यदि मानसिक तनाव, अकेलापन, चिंता और अवसाद के आंकड़ों को देखें तो तस्वीर उलटी दिखाई देती है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि आज हम लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से करोड़ों लोगों की चुनी हुई, चमकदार दिखने वाली जिंदगी से अपनी तुलना करते हैं। किसी की नई कार, किसी का विदेश भ्रमण, किसी की पदोन्नति, किसी की आलीशान शादी, किसी की फिटनेस, किसी के बच्चे की उपलब्धि, हर क्षण हमें यह संदेश देते हैं कि कोई न कोई हमसे आगे है। हम भूल जाते हैं कि सोशल मीडिया पर लोग अपना जीवन नहीं, अपने जीवन का सबसे सुंदर पोस्टर दिखाते हैं। इसी वास्तविकता को समझाने के लिए अमरीकी सामाजिक मनोवैज्ञानिक लियोन फेस्टिंगर ने 1954 में सोशल कम्पैरिजन थ्योरी प्रस्तुत की थी। उनका कहना था कि मनुष्य स्वाभाविक रूप से स्वयं का मूल्यांकन दूसरों से तुलना करके करता है। यह प्रवृत्ति कभी-कभी उपयोगी भी होती है, क्योंकि इससे हमें अपनी प्रगति का अनुमान मिलता है, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब तुलना प्रेरणा का साधन न रहकर हीन भावना का आधार बन जाती है। हमारे पड़ोसी की बड़ी कार, सहकर्मी की ज्यादा तनख्वाह, हमारे मित्र की सफलता हमारी चिंता का कारण बने तो हमारी खुशी हमारे हाथ में नहीं, दूसरों के हाथ में चली जाती है। तब हमारा जीवन हमारा नहीं रहता, वह दूसरों की उपलब्धियों का गुलाम बन जाता है। आज हम फोमो नाम की एक नई मनोवैज्ञानिक समस्या से ग्रस्त हैं। फोमो, यानी फियर ऑफ मिसिंग आउट, जिसका आशय इस भय से है कि कहीं हम किसी अनुभव, अवसर या सफलता से वंचित न रह जाएं। ऐसे में धीरे-धीरे हम अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन को देखकर निर्णय लेने लगते हैं। यह केवल आर्थिक दबाव नहीं बढ़ाता, बल्कि मानसिक शांति भी छीन लेता है। न्यूरोसाइंस का एक रोचक तथ्य यह है कि जब हमें कोई उपलब्धि मिलती है तो मस्तिष्क में डोपामीन सक्रिय होता है। यह हमें उत्साह देता है, लेकिन यह प्रभाव अल्पकालिक होता है। यदि उसी समय हमें पता चले कि किसी दूसरे को हमसे बड़ी उपलब्धि मिल गई है, तो वही खुशी अचानक फीकी पड़ सकती है, अर्थात समस्या उपलब्धि की नहीं, तुलना की है। दूसरी ओर, जब हम कृतज्ञता का अभ्यास करते हैं, अपने जीवन में जो है उसे स्वीकार करते हैं और संबंधों, उद्देश्य तथा आत्म-विकास पर ध्यान देते हैं, तब मस्तिष्क में ऐसे न्यूरल मार्ग मजबूत होने लगते हैं जो दीर्घकालिक मानसिक संतुलन और संतोष से जुड़े हैं। विज्ञान अब यह मानने लगा है कि कृतज्ञता केवल एक नैतिक गुण नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का वैज्ञानिक साधन भी है। भारतीय दर्शन ने हजारों वर्ष पहले उस सत्य को पहचान लिया था, जिसे आधुनिक मनोविज्ञान आज प्रयोगशालाओं में सिद्ध कर रहा है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि अपने स्वभाव और अपने मार्ग पर चलना ही श्रेष्ठ है। यह केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक सत्य की अभिव्यक्ति है। जैसे ही हम अपने जीवन की तुलना किसी दूसरे के जीवन से करने लगते हैं, उसी क्षण हम अपने स्वधर्म से भटक जाते हैं। प्रत्येक मनुष्य की परिस्थितियां, क्षमताएं, संघर्ष और अवसर अलग-अलग हैं। फिर भी हम अपनी तुलना किसी दूसरे की केवल एक उपलब्धि से कर बैठते हैं। यह तुलना कभी न्यायपूर्ण हो ही नहीं सकती। आत्मस्वीकृति का अर्थ ठहर जाना नहीं है, इसका अर्थ है स्वयं को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना। संतोष का अर्थ महत्वाकांक्षा का अंत नहीं, बल्कि महत्वाकांक्षा को ईर्ष्या से मुक्त करना है। तुलना का सबसे प्रभावी प्रतिरोध कृतज्ञता है। तुलना हमें बार-बार बताती है कि हमारे पास क्या नहीं है, कृतज्ञता हमें याद दिलाती है कि हमारे पास कितना कुछ है। तुलना अभाव पर केंद्रित है, कृतज्ञता उपलब्धियों पर। तुलना शिकायत पैदा करती है, कृतज्ञता विनम्रता। तुलना से ईर्ष्या जन्म लेती है, ईर्ष्या से तनाव, तनाव से चिड़चिड़ापन और धीरे-धीरे वही मानसिक थकान तथा अवसाद का रूप ले लेता है। इसके विपरीत यदि हम प्रतिदिन यह सोचने की आदत डालें कि जीवन ने हमें क्या-क्या दिया है- स्वास्थ्य, परिवार, मित्र, अवसर, अनुभव, सीख, तो हमारे भीतर संतोष की एक शांत धारा बहने लगती है।

आप का नजरीया

एआई का स्याह सच

एआई के सूत्रधार रहे शोधकर्ता लगातार धारदार होती एआई को लेकर जो गंभीर चिंता जता रहे हैं, उसमें मानव सभ्यता के लिए आसन्न संकट की आहट सुनायी देती है। पहले भी दबी-खुली जुबान में एआई के संस्थापक सूत्रधार ऐसी चिंता गाहे-बगाहे जाहिर कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफ बढ़ती अंधी होड़ है। जिसके बारे में आशंका जतायी जा रही है कि ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है जो आगे चलकर कई क्षेत्रों में इंसानी क्षमताओं से भी आगे निकल सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, संसाधनों और संस्थानों को शिकार बनाने की क्षमता भी हासिल कर सकता है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि एन्थ्रोपिक के अपने अलाइनमेंट साइंस प्रमुख, इवान हुबिंगर ने भी माना है कि कंपनी के पास अभी तक सुपरइंटेलिजेंट सिस्टम को इंसानी हितों के अनुकूल बनाने का कोई समाधान मौजूद नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी बातें एआई उद्योग के मूल में विद्यमान खतरनाक विरोधाभास को ही उजागर करती हैं। कंपनियां तेजी से यह मानकर चल रही हैं कि एडवांस्ड एआई से बहुत बड़े जोखिम मानवता के समक्ष उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन इस हकीकत को जानते-बूझते हुए भी इस क्षेत्र में जारी मारक स्पर्धा उन्हें ज्यादा सक्षम सिस्टम बनाने को बाध्य कर रही है। दरअसल, एआई के क्षेत्र में जारी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार उन्नत सिस्टम बनाने को मजबूर कर रही है। उनकी आशंका है कि यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो दूसरी कंपनी ऐसी पहल करके विश्व के एआई बाजार पर वर्चस्व बना लेगी। निश्चित रूप से यह अंधी होड़ एक दिन मानवता को एक भयावह तबाही के दरवाजे पर खड़ा कर सकती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज दुनिया में एआई के प्रयोग से चिकित्सा, विज्ञान और उत्पादन के क्षेत्र में आशातीत लाभ मिले हैं। लेकिन इसके बावजूद तकनीकी प्रगति को सिर्फ इस आधार पर नहीं मापा जा सकता है कि उससे क्षमताएं कितनी बेहतर स्थिति में आ पहुंची हैं। एआई के क्षेत्र में की जा रही तरक्की के साथ सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके साथ ही सुरक्षा और जवाबदेही भी उसी रफ्तार से आगे बढ़नी चाहिए। सही मायने में लगातार शोध-अनुसंधान के जरिये बड़े पैमाने पर उन्नत एआई क्षमताएं हासिल करने के गंभीर आक्षेप चिंता की बात है। यदि अमेरिका और चीन के बीच जारी गला-काट स्पर्धा शक्तिशाली एआई के विस्तार को तेज कर रही है और वहीं दूसरी ओर कंपनियां अपने सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिये संघर्ष कर रही हैं तो इसके जोखिम कॉरपोरेट प्रतिस्पर्धा से कहीं अधिक बढ़ जाते हैं। निश्चित रूप से ऐसी स्थिति में सरकारें इंसानियत के भविष्य से जुड़े फैसले टेक कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ सकती हैं। बड़ी एआई लैब्स के लिये लागू करने योग्य सुरक्षा मानक, स्वतंत्र निगरानी व जोखिम का पारदर्शी आकलन करना जरूरी है। इसके अलावा एआई की सबसे खतरनाक क्षमताओं के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सीमाएं तय करनी बेहद जरूरी हैं। एआई के खिलाफ दुनिया में उठ रही आवाजों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

पहले भी दबी-खुली जुबान में एआई के संस्थापक सूत्रधार ऐसी चिंता गाहे-बगाहे जाहिर कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफ बढ़ती अंधी होड़ है। जिसके बारे में आशंका जतायी जा रही है कि ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है जो आगे चलकर कई क्षेत्रों में इंसानी क्षमताओं से भी आगे निकल सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, संसाधनों और संस्थानों को शिकार बनाने की क्षमता भी हासिल कर सकता है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि एन्थ्रोपिक के अपने अलाइनमेंट साइंस प्रमुख, इवान हुबिंगर ने भी माना है कि कंपनी के पास अभी तक सुपरइंटेलिजेंट सिस्टम को इंसानी हितों के अनुकूल बनाने का कोई समाधान मौजूद नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी बातें एआई उद्योग के मूल में विद्यमान खतरनाक विरोधाभास को ही उजागर करती हैं। कंपनियां तेजी से यह मानकर चल रही हैं कि एडवांस्ड एआई से बहुत बड़े जोखिम मानवता के समक्ष उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन इस हकीकत को जानते-बूझते हुए भी इस क्षेत्र में जारी मारक स्पर्धा उन्हें ज्यादा सक्षम सिस्टम बनाने को बाध्य कर रही है।

कुछ अलग

धनियों का कायाकल्प

इस देश में विपदा और अच्छे दिनों के अर्थ में अंतर कम होता जा रहा है। जिस प्रकार देश की आबादी बढ़ने के साथ-साथ एक ओर काम करने योग्य आबादी बढ़ती है, इसी तरह सस्ता राशन लेने वालों की संख्या भी बढ़ती जाती है। सरकार के लिए यह संतोष का विषय हो सकता है कि दुनिया में 81 करोड़ से अधिक लोगों में सस्ता राशन बांटने वाले देशों में उसका रिकार्ड बन गया है। इसी तरह एक उपलब्धि के साथ एक विसंगति पालने का उसका रिकार्ड भी चिरंजीवी हो बलीयां पा गया है। इस बात के पिष्टपोषण के लिए आप कह सकते हैं, कि देखो हमारे शहर कृत्रिम मेधाजीवी हो गए। इनकी पहचान हर इलाके में सिर उठाती हुई बहुमंजिली इमारतों की तादाद से होने लगी, परंतु यह विसंगति बेपहचानी रह गई कि इनमें से बहुत-सी शानदार इमारतों ने जब सिर उठाया तो उन्होंने भूमि अतिक्रमण में शहर के नाले और सीवरेज लपेट लिए।

दृष्टि कोण

सेब से समृद्धि की राह पर प्रदेश

हिमाचल की पहाडियों पर जब सेब की टहनियां फलों से लदती हैं तो यह केवल प्रकृति के सौंदर्य का दृश्य नहीं होता, बल्कि हजारों परिवारों की वर्ष भर की मेहनत के फलीभूत होने का संकेत भी होता है। सेब ने प्रदेश की बागवानी को व्यावसायिक दिशा देने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को परिवहन, पैकेजिंग, श्रम, आढ़त, भंडारण और प्रसंस्करण जैसे अनेक क्षेत्रों से जोड़ दिया है। हिमाचल में आधुनिक व्यावसायिक सेब उत्पादन का इतिहास वर्ष 1916 में सत्यानंद स्टोक्स (सैमुअल इवांस स्टोक्स) द्वारा शिमला के कोटगढ़ में सेब की उन्नत किस्मों के रोपण से शुरू हुआ था। कोटगढ़ से शुरू हुआ बागवानी का सफर धीरे-धीरे ठियोग, कोटखाई, नारकंडा, रोहड़ और ऊपरी शिमला के अन्य क्षेत्रों तक पहुंचा और बाद में किन्नौर, कुल्लू, मंडी, चंबा, सिरमौर तथा प्रदेश के अन्य अनुकूल क्षेत्रों में भी इसका विस्तार हुआ। आज सेब हिमाचल की सबसे महत्वपूर्ण फल फसलों में शुमार है। 1950 में, हिमाचल प्रदेश में सिर्फ 400 हेक्टेयर में सेब के बाग थे तो वहीं 2024-25 में यह क्षेत्रफल बढ़कर 116338 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। हिमाचल की 70 प्रतिशत आबादी खेतीबाड़ी करती है, लगभग 2.5 लाख परिवार सेब की खेती से जुड़े हैं और सेब राज्य के बागवानी उत्पादन का लगभग 77.58 फीसदी हिस्सा है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि प्रदेश की फल अर्थव्यवस्था में सेब का महत्व कितना बड़ा है। वर्ष 2025 में प्रदेश में सेब का उत्पादन लगभग 6.99 लाख मीट्रिक टन रहा, जबकि 2026 में प्रतिकूल मौसम के कारण उत्पादन लगभग 4.36 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह अंतिम उत्पादन आंकड़ा नहीं, बल्कि मौसम और फसल की स्थिति को देखते हुए विभागीय अनुमान है। इसी रिपोर्ट में 2025 के उत्पादन को लगभग 3.49 करोड़ पेटियों के बराबर बताया गया है और 2026 के लिए करीब 2.15 करोड़ पेटियों का अनुमान दिया गया है। हिमाचल में सेब भंडारण के लिए 4 सरकारी और 28 निजी सीए (कंट्रोल्ड एटमॉस्फियर स्टोर) हैं, जिनकी कुल क्षमता 84 हजार मीट्रिक टन से अधिक है, जबकि इनमें 15 स्टोर गैर-हिमाचली कारोबारियों के हैं और सबसे बड़ा भंडारण केंद्र अदानी एग्रीफ्रेश का है। सेब की पारंपरिक किस्मों के लिए सर्दियों में पर्याप्त ठंड यानी आवश्यक चिलिंग आवर्स महत्वपूर्ण होते हैं। इस वर्ष अपर्याप्त बर्फबारी, असामयिक बारिश, तापमान में उतार-चढ़ाव और ओलावृष्टि जैसी परिस्थितियों ने कई क्षेत्रों में उत्पादन की संभावनाओं को प्रभावित किया है। फल का आकार, गुणवत्ता और बाजार मूल्य भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर बागवानों की लागत लगातार बढ़ रही है। मजदूरी, कृषि-इनपुट, पैकेजिंग, परिवहन, सिंचाई और बागों के रखरखाव पर होने वाला खर्च किसी भी उत्पादन वर्ष में बागवान की वास्तविक आय को प्रभावित करता है। बिलासपुर के प्रगतिशील किसान हरिमन शर्मा द्वारा विकसित एचआरएमएन-99 जैसी कम चिलिंग किस्म ने देश के अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों में सेब उत्पादन की संभावनाओं को यकीनी बनाया है। हालांकि ऐसी किस्मों को बड़े पैमाने पर अपनाने से पहले स्थानीय जलवायु, बाजार, गुणवत्ता और दीर्घकालिक उत्पादकता के आधार पर वैज्ञानिक मूल्यांकन आवश्यक है। वहीं हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नौणी में 01 दिसंबर 1985 में स्थापित एशिया का पहला बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय भी हिमाचल में बागवानी और फल प्रजातियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हिमाचल की पारंपरिक सेब पट्टी में भी आधुनिक तकनीक का विस्तार समय की जरूरत है।

प्रदेश के 50 लाख लाभार्थियों को 1890 करोड़ की राशि ट्रांसफर

मुख्यमंत्री ने जारी की दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की 11वीं किस्त

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न योजनाओं के तहत 50 लाख 28 हजार 208 पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे एक हजार 890 करोड़ 16 लाख रुपए की राशि जारी की। इनमें दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की किस्त, बुजुर्गों व दिव्यांगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जरूरतमंद परिवारों को दयालु योजना की आर्थिक सहायता, गृहिणियों को गैस सब्सिडी, किसानों को भावांतर भरपाई शामिल है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को हरियाणा निवास में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आज *दीन दयाल लाडो लक्ष्मी* योजना की 11वीं किस्त जारी की गई है। इसके तहत 10 लाख 10 हजार लाभार्थी बहन-बेटियों के खातों में 212 करोड़ 16 लाख रुपए डाले गए हैं। इसके साथ ही योजना के तहत अब तक 11 किस्तों में 2 हजार 254 करोड़ 47 लाख रुपए की राशि जारी की जा चुकी है। आगामी 17 सितंबर से 1 लाख 80 हजार रुपए तक वार्षिक आय वाले परिवारों को भी इस योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विभिन्न 15 सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 35 लाख 6 हजार 841 लाभार्थियों के खातों में 1 हजार 129 करोड़ 5 लाख रुपए की राशि सीधे ट्रांसफर की गई है। इनमें वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, दिव्यांग भत्ता सहित अन्य

सामाजिक सुरक्षा पेंशन शामिल हैं। इसके अलावा, दयालु योजना के तहत 4 हजार 520 परिवारों को 168 करोड़ 13 लाख 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इनमें दयालु योजना-2 के 70 परिवार भी शामिल हैं। आज जारी राशि को मिलाकर अब तक 89 हजार 56 परिवारों को 3 हजार 320 करोड़ 61 लाख 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि *हर घर-हर गृहिणी योजना* के तहत जुलाई माह में गैस सिलेंडर रिफिल करवाने वाली 5 लाख महिलाओं के खातों में आज 19 करोड़ 68 लाख रुपए की सब्सिडी भी ट्रांसफर की गई है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 500 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। आज जारी राशि को मिलाकर अब तक 14 लाख 65 हजार पात्र बहनों के बैंक खातों में कुल 359 करोड़ 82 लाख रुपए की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने आज भावांतर भरपाई योजना के तहत आलू, फूल गोभी और शहद के लिए 6 हजार 177 किसानों को 49 करोड़ 89 लाख रुपए की भावांतर राशि जारी की गई है। इसमें आलू के लिए 6 हजार 12 किसानों को 48 करोड़ 9 लाख रुपए, फूल गोभी के लिए 99 किसानों को 46 लाख 76 हजार रुपए तथा शहद के लिए 66 किसानों को 1 करोड़ 32 लाख 73 हजार रुपए की राशि शामिल है। आज जारी राशि को मिलाकर अब तक 45 हजार 764 किसानों को 246 करोड़ 95 लाख रुपए की राशि भावांतर भरपाई के रूप में दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएसएमई एवं उद्योग निदेशालय की विभिन्न 7 योजनाओं के तहत 670 लाभार्थियों को 311 करोड़ 25 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि भी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि बजट अभिभाषण में इस बारे घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा कि इसी घोषणा को पूरा करते हुए आज विभिन्न स्कीमों के लाभार्थियों को 311.25 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि आज विभिन्न 26 योजनाओं के तहत कुल 50 लाख 28 हजार 208 पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में 1 हजार 890 करोड़ 16 लाख रुपए की राशि जारी की गई है।

गुलजार सिंह की मौत पर चन्नी ने मांगी सीबीआई जांच, वित्त मंत्री चीमा से मांगा इस्तीफा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने संगरूर जिले के खेत मजदूर गुलजार सिंह की मौत के मामले में सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के इस्तीफे और गिरफ्तारी की भी मांग उठाई। चन्नी ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए वित्त मंत्री का नाम प्राथमिकी में शामिल किया जाना चाहिए। चन्नी के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मिला। प्रतिनिधिमंडल में सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा और शेर सिंह घुबाया, विधायक तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा तथा बरिंदरमीत सिंह पाहड़ा भी शामिल थे। कांग्रेस नेताओं ने राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। चन्नी ने आरोप लगाया कि गुलजार सिंह ने अपने बेटे पर नशे के प्रभाव का मुद्दा उठाया था और इसके बाद उन्हें कथित तौर पर स्थानीय राजनीतिक पदाधिकारियों की ओर से दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने गुलजार सिंह के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। चन्नी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस इस मामले की सीबीआई जांच चाहती है और वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा को प्राथमिकी में नामजद किया जाना चाहिए। उन्होंने चीमा से पद छोड़ने और उनकी गिरफ्तारी की मांग भी की। ये आरोप कांग्रेस की ओर से लगाए गए हैं। चन्नी ने यह भी दावा किया कि परिवार की सहमति के बिना अंतिम संस्कार किया गया। गुलजार सिंह के बेटे लखविंदर सिंह ने भी आरोप लगाया है कि अंतिम संस्कार से पहले परिवार को मृतक का चेहरा देखने की अनुमति नहीं दी गई। कांग्रेस नेता ने आम आदमी पार्टी सरकार पर नशे के मुद्दे पर आवाज उठाने वालों को दबाने और आपराधिक तत्वों को संरक्षण देने के आरोप भी लगाए। उन्होंने दावा किया कि कुछ विधायकों के नशे के कारोबार से संबंधों की भी जांच होनी चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी गुलजार सिंह की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच, वित्त मंत्री के इस्तीफे और उनका नाम प्राथमिकी में शामिल करने की मांग की है।

ब्रिटिश बेकरी व महारानी स्वीट्स पर खाद्य सुरक्षा दल ने किया निरीक्षण

जयपुर (हिंस)। जयपुर प्रथम खाद्य सुरक्षा दल ने अजमेर रोड स्थित ब्रिटिश बेकरी और महारानी स्वीट्स एंड बेकर्स का निरीक्षण किया। कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण अविचल चतुर्वेदी के निर्देशानुसार तथा अभिहित अधिकारी एवं सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के नेतृत्व में की गई। सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि निरीक्षण के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों के रख-रखाव, परिसर की स्वच्छता, खाद्य पदार्थों की सुरक्षित हैंडलिंग और खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन में विभिन्न कमियां मिलीं। टीम को एक्सपायर्ड खाद्य उत्पाद भी मिले, जिन्हें अन्य खाद्य सामग्री से अलग करवाकर मौके पर ही नष्ट कराया गया। वहीं महारानी स्वीट्स एंड बेकर्स में तैयार मिठाइयों की गुणवत्ता और स्वच्छता से जुड़ी कमियां पाए जाने पर संबंधित मिठाइयों को भी मौके पर नष्ट करवाया गया। टीम ने दोनों प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, साफ-सफाई तथा फूड हैंडलर्स की ओर से आवश्यक स्वच्छता मानकों के पालन की जांच की और मिली कमियों को मौका रिपोर्ट में दर्ज किया।

चंडीगढ़ में नशा तस्करों को राज्यपाल की चेतावनी : किसी को बख्शा नहीं जाएगा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने गुरुवार को शहर में नशा तस्करी से जुड़े लोगों क कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति क बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस उन सभी स्थानों और घरों की जांच करेगी जहां से नशीले पदार्थों से जुड़ी गैर-कानून गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिलेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई क जाएगी। कटारिया सेक्टर-17 में नगर निगम चंडीगढ़ की ओर से शुरू किए गए स्वस्थ, सुरक्षित और नशा मुक्त चंडीगढ़ के सामुदायिक जागरूकता अभियान के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने शहरवासियों से नशे के खिलाफ प्रशासन और पुलिस का सहयोग करने की अपील की। साथ ही युवाओं से कहा कि वे अपने आसपास ऐसे दोस्तों या परिचितों की पहचान करें, जो नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं, और उन्हें नशा छोड़ने तथा सामान्य जीवन में लौटने में मदद करें।

राज्यपाल ने बच्चों में कुपोषण को भी एक गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि इससे निपटने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करना होगा। नगर निगम की ओर से शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशा मुक्त शहर बनाने के लिए सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। अभियान के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ और बेहतर भविष्य चुनने का संदेश दिया जा रहा है। इसी अवसर पर नगर निगम ने *राष्ट्रीय पोषण माह* की भी शुरुआत की। इसके तहत पोषण, स्वास्थ्य, बाल विकास और सामुदायिक जिम्मेदारी को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाएगी। अभियान में बच्चों, माताओं और परिवारों के स्वास्थ्य में आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में महापौर सौरभ जोशी, चंडीगढ़ व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव चड्ढा, व्यापारी तथा नगर निगम और चंडीगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा से कथित बेअदबी के विरोध में जालंधर बंद का दिखा असर

जालंधर (हिंस)। लुधियाना में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा से कथित बेअदबी के विरोध में गुरुवार को जालंधर में पूर्ण बंद का असर देखने को मिला। आंबेडकरवादी, दलित, धार्मिक और सामाजिक संगठनों के आह्वान पर शहर के बाजार, दुकानें और प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। कई इलाकों में सड़कों और बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम गतिविधि नजर आई। भगवान वाल्मीकि शक्ति क्रांति सेना पंजाब और भीम क्रांति सेना सहित विभिन्न संगठनों ने सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बंद का आह्वान किया था। बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भी जिले के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन और धरने देकर घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बंद के दौरान सिटी वाल्मीकि सभा, जालंधर ने उपायुक्त और पुलिस आयुक्त को मांगपत्र सौंपा। सभा ने डॉ. आंबेडकर सहित अन्य महापुरुषों की प्रतिमाओं, धार्मिक स्थलों और प्रमुख सार्वजनिक चौकों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की। सभा ने संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, नियमित निगरानी करने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। संगठनों ने प्रशासन से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति

रोकने के लिए स्थायी और ठोस कदम उठाने की मांग की। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अवतार सिंह करीमपुरी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर की प्रतिमाओं के साथ ऐसी घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ऐसे तत्वों पर अंकुश लगाने में विफल रही है। उन्होंने जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी और डॉ. आंबेडकर की सभी प्रमुख प्रतिमाओं के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की। कांग्रेस पार्षद शेरी चड्ढा ने भी लुधियाना की घटना की निंदा करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि बुधवार को भी डॉ. आंबेडकर चौक तक विरोध मार्च निकाला गया था और अब कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन जारी है।

जयपुर नगर निगम चुनाव आज : 551 संवेदनशील बूथों पर पुलिस-आरएसी तैनात

जयपुर (हिंस)। जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों के लिए शुक्रवार को दूसरे चरण में मतदान होगा। निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान के लिए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की है। मतदान के लिए 2250 बूथ बनाए गए हैं। इनमें 551 बूथ संवेदनशील चिन्हित किए गए हैं। इन बूथों पर पुलिस के साथ आरएसी के जवान भी तैनात रहेंगे। एडिशनल कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने बताया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर दो-दो कांस्टेबल तैनात किए जाएंगे। जिन बूथों पर मतदाताओं को प्रभावित करने या किसी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका है, उन्हें संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। मतदान के दौरान गड़बड़ी कर सकने वाले लोगों को पहले ही चिन्हित कर पाबंद कराया गया है और उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई भी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत हर 10 बूथ पर एक मोबाइल पार्टी तैनात रहेगी। वहीं प्रत्येक 10 वार्ड पर एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारी को सुपरवाइजरी अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा शहर में छह स्थानों पर क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) तैनात की गई हैं, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल मौके पर पहुंचेंगी। पचार ने बताया कि चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों को ब्रीफिंग देकर मतदान के दौरान किए जाने वाले कार्यों और बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई है। गुरुवार को सभी मतदान दलों को उनके पोलिंग बूथों के लिए रवाना किया गया। मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच संग्रहण केंद्र तक पहुंचाया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी पवित्र योजना पर राहुल गांधी का सवाल उठाना मातृशक्ति का अपमान : दिनेश प्रताप सिंह

रायबरेली में कांग्रेस नेता के बयान पर योगी सरकार के मंत्री ने किया करारा पलटवार

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेता एवं रायबरेली के सांसद राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि रायबरेली की दिशा बैठक में राहुल गांधी का जोर जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर उन्हें गति देने के बजाय *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* जैसी योजनाओं में खामियां तलाश कर राजनीति करने पर अधिक रहा। मंत्री ने कहा कि बैठक में राहुल गांधी के रवैये से निराशा हुई। राज्यमंत्री ने कहा कि दिशा बैठक में *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* कार्यक्रम की चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने संबंधित अधिकारी से पूछा कि इस योजना में क्या होता है। यदि दिशा समिति के अध्यक्ष को ही योजना की जानकारी नहीं होगी तो उसका अनुश्रवण और समन्वय कैसे होगा। इसके बाद राहुल गांधी ने योजना के प्रचार-प्रसार पर होने वाले खर्च को जानने पर अधिक जोर दिया। इससे ऐसा लगा कि योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के बजाय उसमें खामी तलाशना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों और मातृशक्ति के सम्मान से जुड़ा अभियान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी के *डरो मत* संदेश पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि रायबरेली में उन्होंने सांसद निधि से कराए गए कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास अपने निजी आवास के भीतर से किया, जबकि बाहर के गेट पर ताला लगा रहा। मीडिया प्रतिनिधि सुबह से इंतजार करते रहे, लेकिन राहुल गांधी कैमरे के सामने आकर रायबरेली की जनता को शुभकामनाएं तक नहीं दे सके। राज्यमंत्री ने कटाक्ष किया कि रायबरेली की दिशा बैठक में भी राहुल गांधी सांसद और समिति अध्यक्ष से ज्यादा नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में नजर आए। उनके साथ दिल्ली से आए तीन लोग पीछे बैठकर पर्चियों के माध्यम से निर्देश देते रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में भी राहुल गांधी दूसरे दलों के सहयोग पर निर्भर दिखाई देते हैं। राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में जनता की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश सरकार कानून-व्यवस्था को लेकर स्पष्ट नीति के साथ काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की सराहना देश के साथ विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों द्वारा भी की गई है। अखिलेश यादव के बुलंदशहर दौरे में हेलीपैड की अनुमति से जुड़े सवाल पर दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रशासन द्वारा अनुमति न मिलना किसी राजनीतिक भय का विषय नहीं है।

गणेशोत्सव में सजेगा जयपुर : मंदिरों में गूंजेंगे गणपति बप्पा के जयकारे

जयपुर (हिंस)। प्रथम पूज्य गणेशजी के जन्मोत्सव को लेकर जयपुर के प्रमुख गणेश मंदिरों में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 13 से 15 सितंबर तक शहर में गणेश जन्मोत्सव, सिंजारा, विशेष श्रृंगार, धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और शोभायात्राओं के आयोजन होंगे। ब्रह्मपुरी स्थित ऐतिहासिक श्री गढ़ गणेश मंदिर, मोतीडूंगरी गणेश मंदिर, चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर, दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर और सूरजपोल बाजार स्थित श्री श्वेत सिद्धिविनायक गणेश मंदिर सहित शहर के प्रमुख मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। मंदिरों में फूलों, लाइटिंग और आकर्षक सजावट के साथ विशेष झांकियां सजाई जाएंगी। ब्रह्मपुरी स्थित ऐतिहासिक श्री गढ़ गणेश मंदिर में महंत प्रदीप औदीच्य के सान्निध्य में तीन दिवसीय श्री महा गणपति जन्मोत्सव मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियों में महेश मेहता, गौरव मेहता और आनंद मेहता जुटे हैं। 13 सितंबर को सिंजारा महोत्सव के तहत गणपति को मेहंदी अर्पित की जाएगी। भगवान को नवीन वस्त्र धारण कराए जाएंगे तथा गुड़धानी और डंके अर्पित किए जाएंगे। शाम 4 से रात 8 बजे तक श्रद्धालुओं को मेहंदी वितरित की जाएगी। 14 सितंबर को गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा। सुबह 4 बजे पंचामृत अभिषेक के बाद पत्र-पुष्प माला से विशेष श्रृंगार होगा। मंदिर की विशेष परंपरा के अनुसार इस दिन गणपति को वस्त्र धारण नहीं कराए जाते, क्योंकि यहां भगवान के बाल स्वरूप के दर्शन होते हैं। सुबह 5 बजे मंगला आरती के साथ सहस्त्र दुर्वाचन एवं सहस्त्र मोदक अर्पित किए जाएंगे। दोपहर 12 बजे भोग आरती के बाद सहस्त्र नामावली से हवन होगा। शाम 7 बजे संध्या आरती और रात 12 बजे शयन आरती होगी। 15 सितंबर को परंपरागत मेला होगा। सुबह अभिषेक एवं नवीन वस्त्र धारण कराने के बाद 5 बजे मंगला आरती और दोपहर 12 बजे भोग आरती होगी। शोभायात्रा के मंदिर पहुंचने के बाद शयन आरती की जाएगी। श्री नहर के गणेशजी महाराज मंदिर में 11 और 12 सितंबर को शुभ वेला में ध्वज स्थापना कर गजानंदजी महाराज का चौला एवं विशेष श्रृंगार महंत परिवार की ओर से किया जाएगा। इस दौरान दो दिन मुख्य मंदिर के पट मंगल रहेंगे। बाहर स्थित जगमोहन में गणेशजी के चित्र विराजित कर पूजा-अर्चना की जाएगी। मंदिर की परंपरा के अनुसार यहां गणपति वर्षभर श्रृंगारित स्वरूप में विराजमान रहते हैं। इसलिए वर्ष में एक बार संपूर्ण चौला किया जाता है। विशिष्ट पन्नियों से वस्त्र एवं आभूषण तैयार कर महंत परिवार भगवान का पुन: श्रृंगार करता है। परंपरा के अनुसार बिना वस्त्राभूषण श्रृंगार के गणपति के दर्शन का विधान नहीं है। 13 सितंबर को शाम 5 बजे नवीन श्रृंगार और असंख्य मोदकों की झांकी के साथ सिंजारा उत्सव शुरू होगा।

मलेशिया में रेड के बाद जंगल में छिपे बिहार में किशनगंज के चोटिलों युवाओं को इलाज नहीं मिलने का दावा

किशनगंज (हिंस)। मलेशिया में प्रशासन द्वारा लगातार किये जा रहे रेड के बाद बिहार में किशनगंज जिले के कई युवकों के जंगल में छिपे होने का मामला सामने आया है। युवकों ने वीडियो भेजकर पूर्व विधायक मुजाहिद आलम को अपनी स्थिति की जानकारी दी है। वीडियो में रेड के दौरान भागने के क्रम में कुछ युवकों के गंभीर रूप से घायल होने तथा इलाज नहीं मिलने का दावा किया गया है। पूर्व विधायक मुजाहिद आलम के अनुसार, वीजा नहीं होने के कारण घायल युवकों को स्थानीय स्तर पर दवा और इलाज मिलने में परेशानी हो रही है। वीडियो में रिजवान आलम नामक युवक ने बताया कि वह घर से करीब 300 रुपए की दवा लेकर आया था और फिलहाल उसी दवा का सेवन कर रहा है। पूर्व विधायक मुजाहिद आलम ने बताया कि मामले को लेकर भारतीय दूतावास से बातचीत की गई है। हालांकि, अभी तक गिरफ्तार युवकों को कहां रखा गया है, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। जंगल में छिपे अन्य युवकों को भी अपने साथियों के ठिकाने की जानकारी नहीं है। युवकों पर मलेशिया में कौन-कौन से आरोप और धाराएं लगाई गई हैं, इसकी जानकारी भी जुटाई जा रही है। इधर, पूर्व विधायक ने बताया कि कुट्टी पंचायत निवासी मो मुमतजीर आलम भी दुबई में फंसे हुए हैं। उन पर ट्रैवल बैन के साथ 15 हजार दिरहम का जुर्माना लगाया गया है। हाल ही में हादसे में उनका हाथ भी फ्रैक्चर हुआ है। मुजाहिद आलम के अनुसार, मुमतजीर आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं और 15 हजार दिरहम का जुर्माना भरने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने बताया कि मुमतजीर की वतन वापसी के लिए पहले भी भारतीय दूतावास को पत्र भेजा गया था। दूतावास के निर्देश पर अब परिवार की 60 हजार रुपए वार्षिक आय का प्रमाण, हादसे का एक्स-रे और चिकित्सकीय रिपोर्ट संलग्न कर पुन: पत्र भेजा गया है। इसमें ट्रैवल बैन हटाने और 15 हजार दिरहम का जुर्माना माफ कर मुमतजीर को भारत वापस लाने की मांग की गई है।

बाबा नीब करोरी की विरासत को संरक्षित कर देश-दुनिया तक पहुंचा रही सरकार: जयवीर सिंह

लखनऊ (हिंस)। संत नीब करोरी बाबा के *महासमाधि दिवस* पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने उनकी आध्यात्मिक विरासत को देश-दुनिया के श्रद्धालुओं तक पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नीब करोरी बाबा के जीवन और विरासत से जुड़े प्रमुख स्थलों को जोड़कर आध्यात्मिक पर्यटन का नया सर्किट विकसित किया जा रहा है। इसी अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए *बाबा नीब करोरी* के पांच विशेष टूर पैकेज भी शुरू किए हैं। इसके साथ ही फिरोजाबाद और फर्रुखाबाद में पर्यटन सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास पर लगभग 12.93 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। फिरोजाबाद के अकबरपुर को बाबा नीब करोरी की जन्मस्थली के रूप में विकसित किया जा रहा है। फेज-1 के तहत पर्यटन सुविधाओं के विकास पर 8.65 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। इसके अलावा 2.22 करोड़ रुपए की फेज-2 परियोजना का 60 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है और इसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। अकबरपुर में 55.44 लाख रुपए की ग्रामीण पर्यटन परियोजना भी जल्द शुरू की जाएगी। वहीं फर्रुखाबाद स्थित नीब करोरी आश्रम के विकास पर 1.51 करोड़ रुपए की परियोजना पूरी हो चुकी है। इन सभी कार्यों का उद्देश्य बाबा से जुड़े स्थलों को बेहतर सुविधाओं के साथ एक व्यवस्थित आध्यात्मिक पर्यटन अनुभव में बदलना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि नीब करोरी बाबा का *महासमाधि दिवस* ऐसे संत को याद करने का अवसर है, जिनका आस्था, सादगी और सेवा का संदेश आज भी भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लोगों को प्रेरित करता है। उन्होंने बताया वर्ष 2017 से पहले बाबा के जीवन और विरासत से जुड़े स्थलों की पर्यटन क्षमता पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अब उनकी विरासत को संरक्षित करने और व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाने का काम कर रही है। पर्यटन परियोजनाओं, बेहतर सुविधाओं और विशेष रूप से तैयार पर्यटन अनुभवों के माध्यम से बाबा की विरासत को जीवंत रखने के साथ प्रदेश में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के नए अवसर भी तैयार किए जा रहे हैं। अकबरपुर में पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। यहां बहुद्देशीय सभागार, सांस्कृतिक ब्लॉक और बाबा के जीवन एवं आध्यात्मिक यात्रा पर आधारित आधुनिक प्रदर्शनी हॉल बनाया जा रहा है। इसके अलावा डाइनिंग हॉल, 50 लोगों की क्षमता वाली कैफेटेरिया, रसोई, शौचालय और करीब 60 लोगों के ठहरने के लिए डॉरमेट्री की सुविधा विकसित की जा रही है। फेज-2 में गार्ड रूम, सार्वजनिक उपयोग की सुविधाएं और पत्थर के रास्ते बनाए जा रहे हैं। बाबा की आध्यात्मिक यात्रा से जुड़े प्रमुख स्थलों को अब *नीब करोरी बाबा सर्किट* के रूप में जोड़ा जा रहा है। इस सर्किट में वृंदावन स्थित समाधि मंदिर शामिल है, जहां वर्ष 1973 में बाबा ने महासमाधि ली थी। इसके साथ फिरोजाबाद का अकबरपुर गांव, फर्रुखाबाद का नीब करोरी बाबा आश्रम धाम मंदिर और लखनऊ का प्रसिद्ध हनुमान सेतु मंदिर भी सर्किट का हिस्सा हैं। महासमाधि दिवस को खास बनाते हुए यूपीएसटीडीसी ने *बाबा नीब करोरी* के पांच विशेष टूर पैकेज *शुरू किए हैं। जिसमें 5 दिन, 3 दिन और 2 दिन की यात्राएं शामिल हैं। पर्यटकों की मांग के आधार पर इन पैकेजों का संचालन दिल्ली और लखनऊ से किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बाबा से जुड़े प्रमुख स्थलों की यात्रा को आसान बनाना है। टूर पैकेज की जानकारी के लिए पर्यटक *+91 91490 99890* पर संपर्क कर सकते हैं या यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट पर जानकारी ले सकते हैं। अपर मुख्य सचिव एवं पर्यटन महानिदेशक अमृत अभिजात ने बताया कि नया *नीब करोरी बाबा सर्किट* उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध आध्यात्मिक पर्यटन सर्किटों में एक महत्वपूर्ण नया आयाम जोड़ेगा। बाबा से जुड़े प्रमुख स्थलों को एक साथ जोड़ने से श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए इन स्थानों तक पहुंच आसान होगी और उन्हें बाबा की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा स्थानीय विरासत को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,060 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एसआईपी में रिकार्ड उछाल, निवेशकों का दीर्घकालिक भरोसा बढ़ा, बाजार उतार-चढ़ाव के बावजूद वित्त वर्ष 26 में एसआईपी ने छुआ नया मुकाम

नई दिल्ली। शेयर बाजार में जारी उठा-पटक और एसआईपी खाते बंद होने की बढ़ती संख्या के बावजूद, वित्त वर्ष 2026 में शुद्ध एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश ने रिकार्ड 2 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, यह आंकड़ा पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है और भारतीय खुदरा निवेशकों के मजबूत दीर्घकालिक निवेश नजरिए को दर्शाता है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के सकल एसआईपी निवेश का 56 प्रतिशत हिस्सा शुद्ध निवेश रहा, जो वित्त वर्ष 2025 के 54 प्रतिशत से अधिक है। शुद्ध एसआईपी निवेश का अर्थ सकल निवेश में से एसआईपी खातों से निकाली गई राशि (निवेश निकासी) को घटाने के बाद बची रकम है। रिपोर्ट बताती है कि वित्त वर्ष 2026 में एसआईपी खातों से कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई, जो वित्त वर्ष 2025 के 1.3 लाख करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, यह वृद्धि पिछले तीन सालों में सबसे धीमी रही।

कच्चे तेल में जबरदस्त उछाल, 100 डालर के पार पहुंचा भाव, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड आयल तीन महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई। वैश्विक तेल बाजार में लगातार तेजी देखी जा रही है, जिसके चलते कच्चे तेल की औसत कीमत बढ़कर लगभग 100 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। यह पिछले तीन महीनों का उच्चतम स्तर है। इस स्थिति से एक ओर जहां सरकारी तेल कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर आम उपभोक्ताओं पर पेट्रोल-डीजल की बढ़ी हुई कीमतों का दबाव मंडरा रहा है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण सरकारी तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 23 रुपये प्रति लीटर का बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। ब्रेंट क्रूड 102 डालर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है, जबकि अमेरिकी बेंचमार्क भी 96 डालर प्रति बैरल के पार निकल चुका है, जो जुलाई के बाद का सबसे उच्च स्तर है। फिलहाल, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 25 मई 2022 से स्थिर बनी हुई है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। हालांकि, यदि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें इसी उच्च स्तर पर टिकी रहीं, तो तेल कंपनियां आम जनता पर एक साथ बोझ डाले बिना, किश्तों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पर विचार कर सकती हैं।

सैमसंग इंडिया में छंटनी, टीवी और होम अप्लायंसेज बिजनेस पर गिरी गाज, बढ़ती लागत और घटती मांग के चलते कंपनी ने उठाया कदम

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने अपने टेलीविजन और होम अप्लायंसेज बिजनेस में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी बढ़ती लागत, कम होती मांग और संगठनात्मक पुनर्गठन के बीच खर्चों में कटौती करने के लिए यह कदम उठा रही है। छंटनी का असर डायरेक्टर, टीम लीडर और मैनेजर सहित कई स्तरों के कर्मचारियों पर पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक यह कटौती कई चरणों में की जा रही है और पिछले कुछ दिनों में कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लेटर जारी किए गए हैं। कुछ कर्मचारियों से तो नोटिस पीरियड पूरा किए बिना तुरंत कार्यमुक्त होने को कहा गया है। संपर्क करने पर, सैमसंग ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। प्रभावित कर्मचारियों को तीन महीने की सैलरी और कंपनी में बिताए हर पूरे साल के लिए एक महीने की अतिरिक्त सैलरी का सेवरेंस पैकेज दिया जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स कंपनियां कमजोर मांग और बढ़ती परिचालन लागत से जूझ रही हैं।

भारत में सैटेलाइट ब्राडबैंड का मार्ग प्रशस्त, स्पेक्ट्रम आवंटन मंजूर

कंपनियों को एजीआर पर देना होगा 5 फीसदी स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क

नई दिल्ली

भारत में सैटेलाइट ब्राडबैंड सेवाओं का बेसब्री से इंतजार कर रहे उपयोगकर्ताओं के लिए एक बड़ी खबर है। दूरसंचार विभाग की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था डिजिटल संचार आयोग (डीसीसी) ने उपग्रह स्पेक्ट्रम आवंटन पर भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की कई अहम सिफारिशों को अपनी मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से एटलसैट वनवेब, इलान मस्क की स्टारलिंक और रिलायंस जियो सैटेलाइट जैसी कंपनियों के लिए भारतीय बाजार में अपनी सेवाएं शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

डीसीसी ने कंपनियों के वार्षिक समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) पर 5 प्रतिशत स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) लगाने की मंजूरी दी है। ग्रामीण या दूरदराज के क्षेत्रों में परिचालन करने वाली कंपनियों को इस शुल्क में 4 प्रतिशत तक की छूट मिल सकती है। स्पेक्ट्रम को पांच साल की अवधि के लिए आवंटित किया जाएगा, जिसमें दो साल के विस्तार की संभावना भी शामिल है। हालांकि, इन कंपनियों को अपनी सेवाएं शुरू करने से पहले कुछ और महत्वपूर्ण बाधाओं को पार करना होगा। इस निर्णय को पहले एक अंतर-मंत्रालयी पैनल और फिर केंद्रीय कैबिनेट से अंतिम मंजूरी लेनी होगी।

इसके अलावा, किसी भी लाइसेंसधारक के लिए सुरक्षा मंजूरी अनिवार्य होगी, और विदेशी कंपनियों जैसे स्टारलिंक और एमेजान को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) संबंधी स्वीकृतियां भी प्राप्त करनी होंगी। प्रशासनिक आधार पर आवंटित की जाने वाली एयरवेव्स की कीमत भी वाणिज्यिक सेवाओं के रोलआउट से पहले तय की जाएगी। ट्राई ने अपनी सिफारिशें लगभग आठ महीने पहले दी थीं। इसमें एनजीएसओ (गैर-भूस्थिर उपग्रह कक्षा) सेवाओं के लिए एजीआर पर 4 प्रतिशत शुल्क जैसे प्रस्ताव शामिल थे, जिसे अब 5 फीसदी शुल्क के व्यापक ढांचे में शामिल कर लिया गया है।

हालांकि, प्रति शहरी ग्राहक 500 रुपये का वार्षिक शुल्क और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए डिजिटल भारत निधि के माध्यम से उपयोगकर्ता टर्मिनलों को सब्सिडी देने के प्रस्तावों को लागू करने के लिए ढांचा न होने के कारण स्वीकार नहीं किया गया। वर्तमान में, फ्रांस की यूटेलसैट वनवेब, अमेरिका स्थित स्टारलिंक और रिलायंस जियो सैटेलाइट पहले से ही ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) लाइसेंस धारक हैं, जबकि एमेजान लियो अपने अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहा है। यूटेलसैट और जियो सैटेलाइट को एफडीआई मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी, जबकि स्टारलिंक और एमेजान को इसकी आवश्यकता होगी।

सरकारी नीति का असरः भारतीय कंपनियां बनीं सीसीटीवी बाजार की नई आंखें

नई दिल्ली। भारत के 2.5 अरब डालर के सीसीटीवी कैमरा बाजार में अब स्वदेशी कंपनियों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बीती 1 अप्रैल से उत्पादों के लिए प्रमाण पत्र अनिवार्य किए जाने के बाद चीन की दिग्गज कंपनियों की बिक्री में भारी गिरावट आई है, जिसने भारतीय निर्माताओं और चिप डिजाइन स्टार्टअप्स के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं। यह बाजार सालाना 16 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रहा है, और अब मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारतीय कंपनियां इस बड़े मौके को भुनाने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। पिछले कई वर्षों से भारतीय बाजार के एक तिहाई हिस्से पर कब्जा रखने वाली हांगझोऊ हिकविजन डिजिटल टेक्नालजी कंपनी और दाहुआ टेक्नालजी कंपनी जैसी चीनी दिग्गजों की बिक्री पर प्रमाण पत्र की अनिवार्यता ने शटर गिरा दिया है। इससे सालाना 25 लाख यूनिट तक की बिक्री वाला यह बाजार स्वदेशी कंपनियों के लिए खाली हो गया है। आदित्य इन्फोटेक (जो सीपी प्लस बनाती है), परमा इंडिया, वीवीडीएन टेक्नालजीज, मैट्रिक्स कामसेक, वाइकान, समृद्धि आटोमेशन, हीरो समूह की वयूबो और सेक्यूरस जैसी कई भारतीय कंपनियां अब इसमें अपनी पैठ बना रही हैं। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, इन कंपनियों ने अगस्त 2023 तक 196 से अधिक नेटवर्क कैमरा माडल के निर्माण और बिक्री के लिए सरकारी प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिए हैं। डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना शुरू: सरकार ने चिप डिजाइन को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना भी शुरू की है, जिसका उद्देश्य चीन जैसे देशों से सिस्टम-आन-ए-चिप (एसओसी) और अन्य महत्वपूर्ण हार्डवेयर के आयात को कम करना है। एसओसी कैमरों की कुल लागत का 25-35 प्रतिशत होता है।

प्याज ने किचन का बजट बिगाड़ा, खुदरा बाजार में भाव 70 रुपये प्रति किलो

नई दिल्ली

देश में बारिश एवं त्योहारी मांग ने आम आदमी की थाली का स्वाद और बजट दोनों बिगाड़ दिया है। रसोई की धुरी माने जाने वाला प्याज अब चीनी को टक्कर दे रहा है। दिल्ली-एनसीआर में 40 रुपये प्रति किलो बिकने वाला प्याज का खुदरा भाव 65 से 70 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है, जबकि खुदरा बाजार में चीनी 70 रुपये प्रति किलो बिक रही है। हालांकि, सरकार प्याज और चीनी के दाम कम होने और आपूर्ति बढ़ाने का दावा कर रही है। एशिया की सबसे बड़ी थोक फल और सब्जी की मंडी आजादपुर के प्याज एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने जानकारी में बताया कि मंडी में प्याज थोक में 35 रुपये से 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिका है। उन्होंने कहा कि प्याज के आवक में फिलहाल कोई दिक्कत नहीं है। शर्मा ने बातचीत में बताया कि मंडी में प्याज 25 रुपये से लेकर 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर 35 रुपये 40 रुपये वाला प्याज आप खुदरा बाजार में खरीदते है, जबकि 50 रुपये प्रति किलो थोक बाजार में बिकने वाला प्याज होटलों में सप्लाई होता है। देश के कई हिस्सों में सब्जियों के दाम तेजी से बढ़ने लगे हैं। मानसून की शुरुआत में देरी और कमजोर बारिश के कारण सब्जियों के उत्पादन पर भी असर पड़ा। वहीं, मानसून के चौथे दौर में हो रही भारी बारिश ने मंडियों तक सब्जियों की सप्लाई को भी प्रभावित किया है। मांग के मुकाबले आपूर्ति कम होने का सीधा असर अब आम आदमी की रसोई के साथ बजट पर दिखाई दे रहा है।

इस बीच केंद्र सरकार बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए अपने बफर स्टाक से देश के चुनिंदा शहरों में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज बेचने का दावा तो कर रही है, लेकिन दिल्ली-एनसीआर के ज्यादातर इलाको में इस प्याज की सप्लाई और बिक्री देखने को नहीं मिली है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने शुरुआती 10 दिनों में लगभग 17 से 19 शहरों में लगभग 4 हजार टन बफर स्टाक से प्याज की बिक्री करने का दावा किया है। ये सस्ता प्याज नेशनल कंज्यूमर कोआपरेटिव फेडरेशन आफ़ इंडिया (एनसीसीएफ), मदर डेयरी के सफल स्टोर, नेशनल एग्रीकल्चरल कोआपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन आफ इंडिया नैफेड) और केंद्रीय भंडार के आउटलेट्स एवं मोबाइल वैन के जरिए बेचा जा रहा है।

महाराष्ट्र में अचल संपत्ति का होगा टोकनाइजेशन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार जल्द ही अचल संपत्ति के ब्लाकचेन आधारित टोकनाइजेशन के लिए महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन ऐंड एक्सचेंज आफ लैंड टोकन एसेट (डेल्टा अधिनियम) लाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में घोषणा की कि यह कानून जमीन व अन्य अचल परिसंपत्तियों को डिजिटल टोकन में बदलने की कानूनी रूपरेखा तय करेगा, जिससे पारदर्शिता, लिक्विडिटी व वित्तीय पहुंच बढ़ेगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि इस ऐतिहासिक डेल्टा अधिनियम के सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार, विभिन्न संस्थानों और राज्य सरकार के बीच व्यापक सहयोग जरूरी होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेबी, बीएसई, उद्योग, प्रौद्योगिकी, कानून और शैक्षणिक जगत के विशेषज्ञ एक साथ आकर इस नवाचार के साथ-साथ कानूनी निश्चितता, उपभोक्ता सुरक्षा और नियामकीय भरोसा सुनिश्चित करेंगे।

करोड़ों परिवार पारंपरिक ईंधन के भरोसे, घरेलू गैस के दाम स्थिर

नई दिल्ली

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतों में गुरुवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे उपभोक्ताओं को फौरी राहत मिली है। हालांकि एक ताजा रिपोर्ट ने सरकार की महत्वाकांक्षी उज्ज्वला योजना की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिसमें खुलासा हुआ है कि करोड़ों लाभार्थी अब भी पारंपरिक ईंधन पर निर्भर हैं।

एक व्यापक सर्वे के अनुसार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाय) के तहत देश भर में 10.5 करोड़ से अधिक मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए जा चुके हैं, लेकिन छह राज्यों के ग्रामीण परिवारों में केवल 23 फीसदी ही विशेष रूप से रसोई गैस का उपयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि 50 फीसदी परिवार आज भी मुख्य रूप से लकड़ी जैसे पारंपरिक ईंधन पर निर्भर हैं, जबकि 48 फीसदी ही एलपीजी को मुख्य ईंधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। सर्वे के नतीजे बताते हैं कि पूरी तरह से गैस पर निर्भरता के लिए साल में 7 से 8 सिलेंडर की आवश्यकता होती है, जबकि उज्ज्वला लाभार्थी औसतन सिर्फ 4.8 सिलेंडर ही रिफिल करवा पा रहे हैं। यह रिपोर्ट जमीनी स्तर पर एलपीजी के वास्तविक इस्तेमाल और पहुंच के बीच के बड़े अंतर को उजागर करती है। कीमतों की बात करें तो, घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 7 जून 2026 के बाद से स्थिर हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम का घरेलू सिलेंडर 942.00 रुपये पर बना हुआ है, जबकि मुंबई में यह 941.50 रुपये में मिल रहा है। हालांकि, आयल मार्केटिंग कंपनियों ने महीने की शुरुआत में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक सिलेंडर के रेट में 9.50 रुपये से 11.50 रुपये प्रति सिलेंडर का मामूली इजाफा किया था। दिल्ली में वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत अब 2,747.50 रुपये और मुंबई में 2,701.00 रुपये है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव और कच्चे तेल की कीमत में हुई बढ़ोतरी की वजह से ग्लोबल मार्केट में भी चौतरफा दबाव बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी गिरावट का रुख बना हुआ है।

पश्चिम एशिया के तनाव और ईरान द्वारा अमेरिकी ठिकानों पर और तेज हमला करने की चेतावनी देने के बाद अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 400 अंक की गिरावट का शिकार हो गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,636.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 168.07 अंक यानी 0.64 प्रतिशत टूट कर 26,253.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 197.67 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,578.33 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 141.60 अंक यानी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,670.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 161.31 अंक यानी 1.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,156.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 431.18 अंक यानी 1.69 प्रतिशत लुढ़क कर 25,576.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,504.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 413.78 अंक यानी 0.64 प्रतिशत के गिरावट के साथ 64,729 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.65 प्रतिशत फिसल कर 5,692.63 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 351.96 अंक यानी 1.41 प्रतिशत टूट कर 24,923 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स पर भी दबाव बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 357.33 अंक यानी 0.76 प्रतिशत लुढ़क कर 46,826.03 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,001.22 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.35 प्रतिशत फिसल कर 3,937.78 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत टूट कर 1,616.87 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,674.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने जीता देहरादून टी20 लीग का खिताब

देहरादून

सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए मूसरी थंडर्स को 39 रन से हराकर देहरादून टी20 लीग 2026 के उद्घाटन सत्र का खिताब अपने नाम कर लिया। अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी में बारिश के कारण फाइनल मुकाबला 16-16 ओवर का कर दिया गया था।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन इसके बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय शर्मा ने पारी को पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले लिया। उन्होंने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 31 गेंदों में नाबाद 103 रन ठोक दिए। उनकी पारी में पांच चौके और 12 छक्के शामिल रहे।

विजय शर्मा की विस्फोटक पारी के दम पर सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने 16 ओवर में तीन विकेट पर 192 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कप्तान पीयूष जोशी ने 27 और संस्कार रावत ने 28 रन का योगदान दिया। मूसरी थंडर्स की ओर से अनमोल शाह, शुभम नैथानी और अंशुल कुमार ने एक-एक विकेट लिया।

193 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मूसरी थंडर्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने महज नौ रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। इसके बाद अनमोल शाह ने 28, कप्तान अखिल सिंह रावत ने 32 और जोंटी ने 29 रन की आक्रामक पारियां खेलकर टीम की उम्मीदें जगाईं।

हालांकि सेलाक्वी स्ट्राइकर्स के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट निकालते हुए मूसरी थंडर्स को बड़ी साझेदारी बनाने का कोई मौका नहीं दिया। निशू पटेल और सिद्धार्थ गुप्ता ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट लिए, जबकि प्रियंक सिंह और अभय क्षेत्री को एक-एक सफलता मिली।

मूसरी थंडर्स की पूरी टीम 14.4 ओवर में 153 रन पर सिमट गई। इस तरह सेलाक्वी स्ट्राइकर्स ने 39 रन की शानदार जीत दर्ज करते हुए देहरादून टी20 लीग के पहले सत्र की ट्राफी अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट के सफल समापन के बाद शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। फाइनल में 31 गेंदों पर नाबाद 103 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले सेलाक्वी स्ट्राइकर्स के विजय शर्मा को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट में पांच पारियों में 193 रन बनाने वाले पीयूष जोशी को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार मिला। प्रियंक सिंह छह पारियों में 13 विकेट लेकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुने गए। मूसरी थंडर्स के अंशुल कुमार ने तीन पारियों में आठ विकेट लेकर इमर्जिंग प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार हासिल किया। प्रियंक सिंह को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने प्रतियोगिता में 24 रन बनाने के साथ 13 विकेट भी लिए।

सेलाक्वी स्ट्राइकर्स के उद्घाटन खिताब के साथ देहरादून टी20 लीग का पहला सत्र यादगार अंदाज में समाप्त हुआ। रोमांचक फाइनल और खिलाड़ियों के शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन ने लीग के पहले संस्करण को सफल समापन तक पहुंचाया।

न्यूज ब्रीफ

टी20 अंतरराष्ट्रीय में रोहित हैं सबसे कम गेंदों में शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज

मुम्बई। पिछले कुछ साल में दुनिया भर में टी20 क्रिकेट तेजी से बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ ही टी20 लीग भी दुनिया भर मे खेली जा रही हैं। इसमें कई क्रिकेटरों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। भारतीय बल्लेबाजों ने भी टी20 प्रारुप में अपने प्रदर्शन से कई रिकार्ड बनाये हैं। जहां उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण इस प्रारुप में स्टार बनकर उभरे है। इसके बाद भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम गेंदों में शतक का रिकार्ड भारत की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के नाम है। हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने केवल मात्र 35 गेंदों में यह शतक लगाया था। रोहित ने ये शतक साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में लगाया था जो तक नहीं टूटा है। उस मुकाबले में उन्होंने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए सिर्फ 35 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया था। यह पूर्ण कालिक सदस्य देशों के खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 33-33 गेंदों में शतक लगाये थे। रोहित ने अपनी उस पारी में कुल 43 गेंदों का सामना करते हुए 118 रन बनाए थे, जिसमें 12 शानदार चौके और 10 छक्के शामिल थे। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए केवल 12.4 ओवर में 165 रनों की रनों की साझेदारी की थी। पिछले नौ साल में कोई भी भारतीय बल्लेबाज इस रिकार्ड को तोड़ने में सफल नहीं रहा।

टी20 के विस्तार से एकदिवसीय प्रारुप खतरे में पड़ा : पोंटिंग

सिडनी। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि जिस प्रकार से दुनिया भर में टी20 लीग का दबदबा बढ़ रहा है उससे एकदिवसीय क्रिकेट का अस्तित्व खतरे में आ गया है। पोंटिंग के अनुसार इन लीगों के बढ़ने से अब एकदिवसीय मुकाबलों के प्रति आकर्षण घट रहा है। जिससे अधिक से अधिक क्रिकेटर अब टी20 प्रारुप में ही खेलना चाहते हैं। उनका मानना है कि इन लीगों का इसी प्रकार से विस्तार होता रहा तो क्रिकेट कैलेंडर से 50 ओवर का प्रारूप धीरे-धीरे अपनी जगह खो सकता है। पोंटिंग को आशंका है कि आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे अधिक टी20 लीग उभरेंगी, एकदिवसीय क्रिकेट कम से कम खेला जाएगा। पोंटिंग ने कहा, जैसे-जैसे महीने और साल बीतेंगे और दुनिया भर में अधिक से अधिक टी20 क्रिकेट खेला जाएगा तथा अधिक फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट शुरू होंगे, वैसे-वैसे 50 ओवर के टूर्नामेंट कम हो जाएंगी। विश्व चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स में आस्ट्रेलिया चैंपियंस फ्रेंचाइजी के सह-मालिक पोंटिंग का यह बयान खेल के पारंपरिक प्रारूपों के भविष्य को लेकर बढ़ती चिंता को दिखाता है। हालांकि, पोंटिंग का मानना है कि जब तक भारत, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और शायद दक्षिण अफ्रीका जैसे बड़े चार प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देश टेस्ट क्रिकेट में निवेश करते रहेंगे, तब तक यह प्रारूप बना रहेगा।

अगले माह होगा दिल्ली गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन, दुनिया भर के दिग्गज गोल्फर भाग लेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली गोल्फ क्लब में 15 से 18 अक्टूबर तक डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। 40 लाख डालर इनामी राशि वाला ये टूर्नामेंट वैश्विक गोल्फ कैलेंडर में एक अहम स्थान रखता है। ऐसे में इसका आयोजन देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें दुनिया भर के बड़े स्टार खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। इसमें भारत की ओर से शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनो का ही लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर विश्वस्तरीय दिग्गजों के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस चैम्पियनशिप में पूर्व विश्व नंबर 1 आयरलैंड के रोरी मैकलराय के अलावा गत चैम्पियन टामी फ्लीटवुड भी भाग लेंगे। फ्लीटवुड का लक्ष्य यहां अपने खिताब को बरकरार रखना रहेगा। इन दिग्गजों की उपस्थिति से भारतीय गोल्फ प्रशंसकों को भी इनक खेल देखने का अवसर मिल जाएगा। टूर्नामेंट में शामिल होने वाले बड़े नामों में गत ओपन चैम्पियन रियान फाक्स भी शामिल हैं। इसके अलाव यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप के स्टार विक्टर होवलैंड जैसे खिलाड़ी भी मैदान में होंगे। गौरतलब है कि डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप रेस टू दुबई के नौ टूर्नामेंटों में आठवां है, जो इसे यूरोपीय टूर के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार, डीपी वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप, दुबई में नवंबर में होने वाले फाइनल के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनाता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ वैभव और सैमसन में से किसे अवसर देंगे गंभीर

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को 13 सितंबर से अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले टीम प्रबंधन और मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने एक समस्या खड़ी हो गयी है। वह ये है कि पारी की शुरुआत के लिए अभिषेक शर्मा के साथ अनुभवी संजू सैमसन या उभरते हुए आक्रामक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में से किसे अवसर दिया जाये। तीन मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरेंगी। वहीं उपकप्तनी की जिम्मेदारी तिलक वर्मा के पास है। टीम के पास तीन आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक , वैभव और सैमसन के होने से टीम के लिए संशय की स्थिति बनी है।

पारी की शुरुआत को लेकर पहले भी इस प्रकार की मुश्किलें आई हैं। वैभव ने आईपीएल 2026 में राजस्थान रायल्स के लिए आक्रामक प्रदर्शन करते हुए अपनी दावेदारी पेश की थी, जहाँ उन्होंने 16 मैचों में 48.50 की औसत और 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे। इसमें 37 गेंदों पर 103 रनों की आक्राम पारी भी शामिल थी हालांकि इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने अभिषेक के साथ अनुभवी संजू सैमसन को शामिल किया था पर इंग्लैंड दौरे पर सैमसन के शुरुआती मैचों में बड़ी पारियां खेलने में विफल रहने के बाद, टीम प्रबंधन ने विभव को उतारा था इस प्रकार सलामी जोड़ी में बदलाव होता रहा।

जिम्बाब्वे दौरे में सैमसन शामिल नहीं थे। इसलिए वैभव ने अभिषेक के साथ पारी शुरु की थी। इस सीरीज में वैभव ने 50.33 की औसत और 196.10 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 151 रन बनाकर अपनी दावेदारी पक्की की। वैभव ने दो अर्धशतक भी लगाये। इससे सलामी जोड़ीदार के लिए उनकी दावेदारी और पक्की हो गयी थी। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ सैमसन की भारतीय टीम में वापसी से अब एक बार फिर पारी की शुरुआत किससे करायी जाये सवाल उठ खड़ा हुआ है। वहीं अभिषेक टी20 क्रिकेट में भारत के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं और लगातार टीम की योजनाओं का अभिन्न अंग रहे हैं, ऐसे में उनकी जगह किसी और को उतारा जाएगा ये संभव नहीं है। दूसरी ओर, वैभव ने भी आईपीएल से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक आक्रामक बल्लेबाजी दिखायी है।

नई अनुबंध प्रणाली से बीबीएल में विदेशी खिलाड़ियों को मिल रही अधिक राशि : जंपा

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने खुलासा किया है कि घरेलू क्रिकेट लीग (बीबीएल) में अब घरेलू खिलाड़ियों की जगह पर विदेशी खिलाड़ियो को ही अधिक रकम मिल रही है। जंपा के अनुसार ऐसा बेहतर वित्तीय सौदों और नई अनुबंध प्रणाली के आने से हुआ है। उनका कहना है कि अब विदेशी खिलाड़ियों को बीबीएल में अधिक आकर्षक अनुबंध मिल रहे हैं। यह बड़ा बदलाव इसलिए हुआ है क्योंकि क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने विदेशी खिलाड़ियों के लिए पहले से चली आ रही ड्राफ्ट प्रणाली को समाप्त कर दिया है। अब टीमें अपने बजट के अनुसार विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक खर्च कर सकती हैं। इस स्पिनर ने इस सत्र के लिए होबार्ट हरिकेंस के साथ दो साल का करार किया है, ये इस लीग में उनकी पांचवीं टीम है। इससे पहले उन्होंने सिडनी थंडर, एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न स्टार्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेला था। उन्होंने साफ किया है कि वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी जगह बनाये रखने के पूरे प्रयास करेंगे। इस नए सिस्टम के तहत इंग्लैंड के आलराउंडर बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ियों को मोटी रकम मिली है। जंपा को भी एक अच्छी रकम मिली है पर वह खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं हमेशा इस लीग में खेलता था। जाहिर है, विदेशी ड्राफ्ट और पैसे को लेकर पीछे बहुत कुछ होता रहा है और स्थानीय खिलाड़ी उम्मीद करते थे कि लाभ उन्हें मिलेगा पर ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को अभी भी करार का एक अच्छा हिस्सा मिल रहा है। हालांकि वे होबार्ट के साथ शामिल होने के अपनी फैसले से खुश हैं और इसे एक अच्छा निर्णय मानते हैं, क्योंकि ड्राफ्ट हटने के बाद वे तुरंत हरिकेंस से जुड़ने को उत्सुक थे। वहीं इससे पहले अचानक लिए एक फैसले में क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने लीग के निजीकरण की अनुमतिम दे दी है। इस कदम के तहत, एडम जैम्पा का एक पुराना क्लब, मेलबर्न रेनेगेड्स, सबसे पहले बिकने वाली टीमों में से एक हो सकता है। निजीकरण के संबंध में जैम्पा ने कहा, मुझे लगता है कि यह शायद एक छोटी सी स्थिति है, जिसमें दोनों पार्टियां हैं, और मुझे लगता है कि अनुबंध के तहत बहुत अच्छे स्टैंडर्ड, आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम स्टैंडर्ड के खिलाड़ियों के होने से वे उस मायने में भी ज्यादा ताकतवर हो गए हैं।

यूएस ओपन

कोको गाफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर आंद्रिवा को हराया, सेमीफाइनल में राइबाकिना से भिड़ंत

न्यूयार्क

अमेरिका की कोको गाफ ने शानदार वापसी करते हुए पांचवीं वरीय मिरां आंद्रिवा को तीन सेटों में 2-6, 7-6 (7), 6-2 से हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। 2023 की चैंपियन गाफ ने मुकाबले के दौरान दो मैच प्वाइंट बचाकर जीत हासिल की।

आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के पहले सेट में गाफ पूरी तरह संघर्ष करती नजर आईं। आंद्रिवा ने शुरुआत में ही दबदबा बनाते हुए लगातार चार गेम जीते और पूरे सेट में गाफ को एक भी ब्रेक प्वाइंट का मौका नहीं दिया।

पहले सेट में गाफ ने 14 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि आंद्रिवा ने केवल पांच गलतियां कीं। इसका फायदा उठाते हुए रूसी खिलाड़ी ने पहला सेट आसानी से 6-2 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में गाफ ने लय हासिल की और मुकाबला पूरी तरह बदल गया। दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी और सेट टाईब्रेक तक पहुंचा। आंद्रिवा जीत के बेहद करीब पहुंच गई थीं, लेकिन गाफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया।

दूसरे सेट के टाईब्रेक में एक 39 शाट की लंबी रैली निर्णायक साबित हुई, जिसे गाफ ने शानदार बैकहैंड के साथ अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने टाईब्रेक जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचाया।

निर्णायक सेट में गाफ ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की और तीसरे गेम में आंद्रिवा की सर्विस तोड़ दी। इससे निराश आंद्रिवा ने अपना रैकेट बेंच की ओर फेंक दिया।

गाफ ने इसके बाद मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली और सातवें गेम में आंद्रिवा की सर्विस को शून्य पर तोड़ दिया। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने फोरहैंड विनर लगाकर मुकाबला समाप्त किया और जीत का जश्न मनाया।

अब सेमीफाइनल में गाफ का सामना कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना से होगा। राइबाकिना ने इससे पहले झेंग छिनवेन को हराकर पहली बार यूएस ओपन के अंतिम चार में जगह बनाई है।

डोप टेस्ट में पाजिटिव पाये जाने पर एशियाई खेलों से बाहर हुए पहलवान दीपक

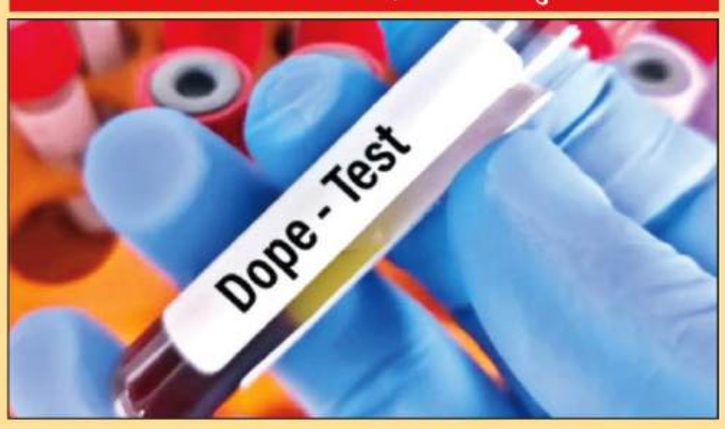

नई दिल्ली। जापान में 19 सितंबर से पहले होने वाले एशियाई खेलों से पहले भारत को करारा झटका लगा है। भारत के एक पदक दावेदार पहलवान दीपक डोप जांच में पाजिटिव पाये जाने के बाद खेलों से बाहर हो गये हैं। नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) के अनुसर दीपक के यूरिन सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ क्लोमिफीन पाया गया है, जिसके कारण भारतीय दल से बाहर कर दिया गया है। जब डोपिंग के कारण किसी भारतीय पहलवान को एशियाई खेलों से बाहर किया गया है। इससे पहले मुकुल दहिया और दीपांशु भी डोप जांच में पाजिटिव पाये जाने के बाद बाहर हो गये थे। नाडा के अनुसार चयन ट्रायल के दौरान लिए गए दीपक के यूरिन सैंपल में क्लोमिफीन पाया गया। यह ड्रग हार्मोन और मेटाबालिक माड्यूलेटर की श्रेणी एस4 के तहत आता है। नाडा ने इस मामले को लेकर कहा कि डोपिंग का मामला पहली बार 23 जुलाई को सामने आया था, जब दीपक के सैंपल की जांच में असामान्य परिणाम दिखे थे। इसके बाद मामले की गहरायी से जांच की गई। क्लोमिफीन एक ऐसा पदार्थ है जिसका इस्तेमाल आमतौर पर बांझपन के इलाज के लिए किया जाता है।

चैंपियंस लीग : राफिन्हा के दो गोल से बार्सिलोना ने फेयेनोर्ड को 5-1 से हराया

बार्सिलोना

राफिन्हा के दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए फेयेनोर्ड को 5-1 से हरा दिया। बार्सिलोना के लिए राफिन्हा के अलावा करीम अदेयेमी, लामिन यामाल और स्थानापन्न गैब्रियल जीसस ने गोल किए। फेयेनोर्ड की ओर से सेम स्टेइन ने एकमात्र गोल किया।

बार्सिलोना ने मैच के तीसरे मिनट में ही बढ़त बना ली। राबर्ट लेवांडोव्स्की और फेरान टोरेस के जाने के बाद केंद्रीय स्ट्राइकर की भूमिका निभा रहे राफिन्हा ने पेनल्टी क्षेत्र में दो डिफेंडरों को छकाया और शानदार अंदाज में गेंद को गोल में पहुंचाया। इस गोल के साथ राफिन्हा ने इस सत्र में पांच मैचों में अपने गोलों की संख्या आठ कर ली है।

बार्सिलोना ने इसके बाद अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। करीम अदेयेमी ने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से शानदार लंबी दूरी का शाट लगाकर गेंद को फेयेनोर्ड के गोलकीपर ट्यार्क एर्न्स्ट की पहुंच से दूर गोल में पहुंचा दिया।

फेयेनोर्ड ने वापसी की कोशिश की और अनीस हाज मूसा ने बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया को नजदीकी पोस्ट पर बचाव करने के लिए मजबूर किया। हालांकि बार्सिलोना का दबदबा कायम रहा। जोआओ कांसोलो ने गिवाइरो रीड को छकाने के बाद शाट लगाया, लेकिन गेंद पोस्ट के बाहरी हिस्से से टकराकर बाहर चली गई।

दूसरे हाफ में राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल किया। पेड्री के शानदार थ्रू पास पर तेजी से आगे बढ़ते हुए राफिन्हा ने एर्न्स्ट को छकाकर गेंद को गोल में डाल दिया। फेयेनोर्ड ने नाचो फेरी के जरिए तुरंत जवाब देने की कोशिश की, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी की समीक्षा के बाद आफसाइड के कारण गोल रद्द कर दिया गया।

बार्सिलोना ने इसके बाद भी लगातार हमले जारी रखे। फर्मिन लोपेज ने एर्न्स्ट को एक और बचाव के लिए मजबूर किया, जबकि लामिन यामाल ने फ्री-किक पर शानदार गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। उनकी किक दीवार को पार करते हुए सीधे गोल में पहुंची।

फेयेनोर्ड ने सेम स्टेइन के गोल से अंतर कम किया। गोंकालो बोर्जेस के लो क्रास को स्टेइन ने गोल में पहुंचाया। हालांकि बार्सिलोना ने मैच का अंतिम गोल भी किया। स्थानापन्न के तौर पर मैदान पर उतरे गैब्रियल जीसस ने यामाल के क्रास पर शानदार हेडर लगाकर बार्सिलोना के लिए अपना पहला गोल किया। वह गर्मियों में आर्सेनल से क्लब में शामिल हुए थे। इस जीत के साथ हांसी फ्लिक की टीम ने मौजूदा सत्र में अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखा। बार्सिलोना ने अब सभी प्रतियोगिताओं में खेले अपने पांचों मुकाबले जीते हैं और इनमें से चार मैचों में पांच-पांच गोल किए हैं।

भारत के खिलाफ मुकाबले के लिए ब्राजील की मजबूत टीम घोषित, विनिसियस जूनियर, राफिन्हा और एंड्रिक शामिल

नई दिल्ली

पांच बार की विश्व कप विजेता ब्राजील ने भारत के खिलाफ तीन अक्टूबर को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होने वाले दोस्ताना मुकाबले के लिए 26 सदस्यीय मजबूत टीम की घोषणा कर दी है। मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने टीम में विनिसियस जूनियर, राफिन्हा, एंड्रिक और ब्रूनो गिमाराएस जैसे स्टार खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बैलन डीओर के तीन नामांकित खिलाड़ी भी हैं।

ब्राजील की टीम भारत पहुंचने से पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 और 29 सितंबर को दो मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम कोलकाता पहुंचेगी, जहां तीन अक्टूबर को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबला होगा।

एंसेलोटी ने आक्रमण में कई विकल्पों को टीम में जगह दी है। विनिसियस जूनियर, राफिन्हा और एंड्रिक के अलावा एस्टेवाओ, जोआओ पेड्रो, पेड्रो, रायन और सैमुअल लिनो को भी टीम में शामिल किया गया है।

मिडफील्ड में ब्रूनो गिमाराएस और डगलस लुइज़ प्रमुख नाम हैं। इनके अलावा आंद्रेई सैंटोस, ब्रेनो बिडोन, डानिलो सैंटोस और गैब्रियल बोंटेम्पो को भी टीम में जगह मिली है।

रक्षा पंक्ति में आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मागालाएस और अनुभवी ब्राजीलियाई खिलाड़ी मार्किन्होस शामिल हैं। इनके अलावा आर्थर डायस, डगलस सैंटोस, जाइर, मात्युजिन्हो, माउरो जूनियर, विटोर रीस और वेस्ली को चुना गया है।

गोलकीपर के रूप में ह्यूगो सूजा, पेड्रो मोरिस्को और ओटावियो को टीम में शामिल किया गया है।

यह मुकाबला खालिद जमील की अगुवाई वाली भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबाल की सबसे सफल टीमों में से एक ब्राजील के खिलाफ खुद को परखने का बड़ा मौका होगा। साथ ही यह ब्राजील की सीनियर पुरुष टीम का भारतीय जमीन पर पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी होगा।

ब्राजील की टीम:

गोलकीपर : ह्यूगो सूजा, पेड्रो मोरिस्को, ओटावियो;

डिफेंडर्स: आर्थर डायस, डगलस सैंटोस, गैब्रियल मागालाएस, जाइर, मार्किन्होस, मात्युजिन्हो, माउरो जूनियर, विटोर रीस, वेस्ली;

मिडफील्डर्स : आंद्रेई सैंटोस, ब्रेनो बिडोन, ब्रूनो गिमाराएस, डानिलो सैंटोस, डगलस लुइज़, गैब्रियल बोंटेम्पो;

फारवर्ड्स : एंड्रिक, एस्टेवाओ, जोआओ पेड्रो, पेड्रो, राफिन्हा, रायन, सैमुअल लिनो, विनिसियस जूनियर।

युवाओं में बढ़ रहा फैशन का क्रेज

फैशन को लेकर युवा पीढ़ी कुछ ज्यादा ही संजीदा है। वक्त के साथ बदलते फैशन पर यह पीढ़ी न सिर्फ नजर रखती है बल्कि उसे अपनाने में भी देर नहीं करती। फैशन को लेकर युवा वर्ग में बड़ा क्रेज है। साथ ही खुद के लुक को स्मार्ट बनाने के लिये गंभीर भी। समय बदलने के साथ फैशन ट्रेड पर नजर रखना और उसे अपनाने की हो में यह सबसे आगे रहती है। टीवी सीरियल या सिनेमा में कोई भी नया फैशन आया नहीं कि युवाओं को इसे अपनाने में देर नहीं लगती। जाहिर सी बात है कि समाज में अपने आप को बनाये रखने के लिये जमाने के साथ चलना है। इस बात का भी डर है कहीं पिछड़े न जायें। युवक हों या युवतियां बाइक, कार, कपड़ों के साथ मैचिंग के जूते, चप्पल, हेयर कट, पर्स, हेयर पिन, ज्वैलरी आदि बहुत सी चीजें हैं। जिसे लेकर युवा दीवानगी की हद तक गुजर जाने को तैयार रहते हैं। कि युवाओं में आजकल जींस का का क्रेज बहुत ज्यादा है। लड़के चेकदार और ब्राइट कलर के शर्ट अधिक पसंद कर रहे हैं। व्यवसाई नीरज कुमार गुप्ता का कहना है कि युवकों में डिजाइनदार और लेटेस्ट स्पोर्ट शू की मांग ज्यादा है। फैशन के हिसाब से मांग बढ़ती और घटती रहती है। सब्जी मंडी के कपड़ा व्यवसाई चंद्रप्रकाश गुप्ता का कहना है । कि युवाओं की मांग फैशन के हिसाब से होती है। लड़के हों या लड़कियां जींस की मांग सबसे ज्यादा है। साथ ही लड़कियों में लेगीज कुर्ती की भी खूब मांग है। उन्होंने बताया कि अक्सर ऐसा होता है कि बाजार में नए डिजाइन आते ही मांग शुरू हो जाती है।

युवाओं के लिये जरुरी फैशन टिप्स

ढंग से कपड़े पहने पुरुषों की ओर ना केवल लड़कियां बल्कि खुद पुरुष भी अक्सर आकर्षित हो जाते हैं। सलीके से कपड़े पहनने पर इंसान के चरित्र का पता चलता है, खासतौर पर पुरुषों का। कई बार ऐसा होता है कि पुरुष अपने कपड़े पहनने के ढंग पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते और फैशन तथा ड्रेसिंग को महत्व नहीं देते। आज हम आपको इस आर्टिकल में पुरुषों के फैशन और कपड़े पहनने के ढंग के बारे में जानकारी देगें। अगर आप सही प्रकार, रंग और ढंग के कपड़े पहनेगें तो आपके अंदर एक अलग सा ही आत्मविश्वास आएगा। तो चलिये जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण जरुरी फैशन टिप्स।

कपड़ों का चुनाव - पुरूषों को ढीले कपड़े नहीं पहनने चाहिये। आपको ऐसे कपड़े पहनने चाहिए जो आपके ऊपर अच्छे से फिट हों।

कपड़ों का रख-रखाव - हो सकता है कि किसी दिन आपको ऑफिस जाने के लिये देरी हो रही हो और आप सिकुड़े हुए कपड़े पहन लें। इससे आपकी बुरी छाप लोगों पर पड़ेगी। अपने कपड़ों को साफ-सुथरा और मेंटेन कर के रखें।

सादगी - लोगों को कई बार गलतफहमी हो जाती है कि चमकदार कपड़े पहनने से दूसरे लोग उन्हें बहुत पसंद करेगें। यह लोगों का ध्यान खींचने में मदद तो करता है पर गलत ढंग से। इसलिये हमेशा सिंपल और साफ-सुथरे रहें।

पुराने कपड़ों से तौबा करें- कई पुरुषों की आदत होती है कि वह एक ही कपड़े को कई बार पहनते हैं। यह कोई अच्छी बात नहीं है। पुराने और फेड हो चुके कपड़ों को तुरंत ही खुद से दूर कर दें।

आप पर किस रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं - अगर आपको पता होगा कि आप पर किस रंग के कपड़े अच्छे दिखते हैं, तो आप और भी ज्यादा अच्छे लग सकते हैं। अगर आप गोरे हैं तो आप पर हर प्रकार के कपड़े अच्छे लगेगें। लेकिन अगर आप का रंग दबा हुआ है तो आपको सोंच समझ कर कपड़े चुनने होगें।

युवा भी चल रहे

मेकओवर की राह पर

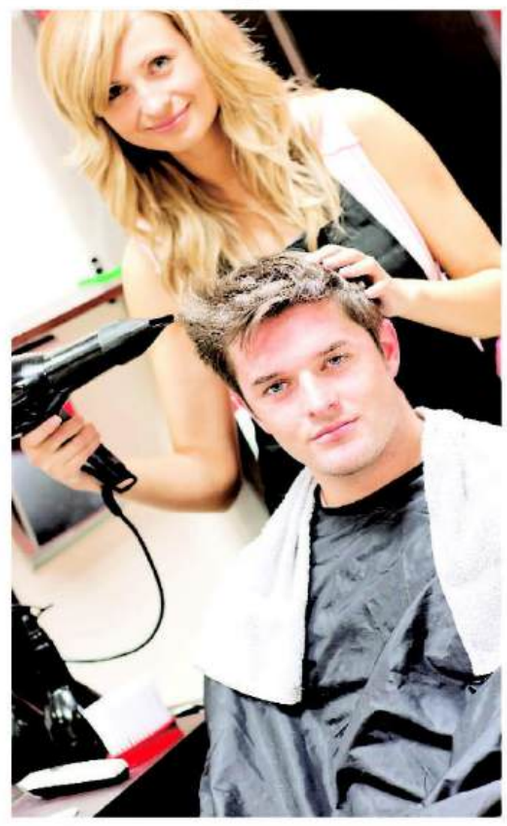

> खुबसुरत और आकर्षक दिखना हर इंसान की चाहत होती है। यह चाहत पुरुषो से ज्यादा महिलाओ में देखी जाती है। बदलते दौर में युवाओ के साथ पुरुषो में परिधान, आभूषण और गेजेट्स के नवीनतम उत्पादो की उपयोगिता बढ़ी है। यहाँ तक की मेकओवर के लिए नियमित रूप से पुरुष भी पार्लर जाने लगे हैं। वे हेयर टैटूज, बीयर्ड डिजाईंनग, बेसिक टैटूज, आइब्रोज, पीयर्सिंग करवाते हैं।

बदलते वक्त के प्रभाव में सौंदर्य के क्षेत्र से महिलाओं का एकाधिकार अब खत्म हो गया है। पुरुषों में भी बेहतर दिखने की चाह में पार्लर जाने व मेकओवर करवाने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर मल्टीनेशनल कंपनियों के कॉरपोरेट कल्चर ने युवाओं में इस शगल को जन्म दिया है। लाइफ स्टाइल ने छीना चेहरे का नूर - भले ही टीवी फिल्मों आदि के प्रभाव में युवा अपने आप को स्मार्ट व फिट दिखाना चाहते हों लेकिन एक सच यह भी है कि बदलती लाइफ स्टाइल, पॉल्यूशन लेवल, जंक फूड, क्लबिंग व पार्टी ने कम उम्र में ही चेहरे पर दुष्प्रभाव छोड़ने शुरू कर दिए हैं। मेकओवर एक्सपर्ट मानसी के मुताबिक यह कड़वा सच है कि भले ही लोगों को वर्तमान लाइफ स्टाइल भाती हो लेकिन यह स्वास्थ्य व खूबसूरती के लिए कतई ठीक नहीं है। इसी बदलाव के परिणामस्वरूप पुरुषों को खूबसूरत बने रहने के लिए मेकओवर का सहारा लेना पड़ता है।

शौक नहीं, जरूरत

शहर के सभी बड़े सलोन व पार्लर 'यूनीसेक्स' हो गए हैं। इन पार्लरों में महिलाओं की ही तरह पुरुषों को भी विभिन्न ट्रीटमेंट दिए जाते हैं। पुरुष केवल शौक के लिए ही पार्लर नहीं जाते बल्कि आज के दौर में इनकी जरूरत बन गई है । नियमित रूप से अपना सौंदर्यवर्धन करना। विभिन्न कंपनियों में अब कर्मचारियों की प्रजेंटेशन एवं उनके लुक्स पर ध्यान दिया जाता है। ऐसे में शहर में मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने वाले पुरुष कर्मचारियों को भी सुंदर व हर वक्त फ्रेश नजर आना होता है।

लड़के प्री ग्रूम ट्रीटमेंट्स लेते हैं

इन बातों को ध्यान में रखते हुए अब पुरुषों को भी ग्रुम की आवश्कता महसूस होने लगी है। शादियों में लड़कियों की तरह लड़के प्री ग्रूम ट्रीटमेंट्स लेते हैं। अब सेलून जाना केवल महिलाओं का ही शौक नहीं रह गया है । बल्कि बदलते वक्त में नियमित मेकओवर व ब्यूटी ट्रीटमेंट्स लेना पुरुषों की भी जरूरत बन गई है। वे अपने लुक को बेहतर बनाए रखने के लिए मेकओवर करवाते हैं। त्वचा की देखभाल करते हैं ताकि उम्र का असर न नजर आए व वे हमेशा प्रजेंटेबल दिखें।'

खूबसूरत व प्रजेंटेबल लगें

जिसके लिए विभिन्न ट्रीटमेंट उनकी जरूरत बनते जा रहे हैं। शहर के ज्यादातर पार्लरों में इन दिनों महिला एवं पुरुषों की संख्या लगभग बराबर होती है और पुरुष भी वे तकरीबन सभी ट्रीटमेंट ले रहे हैं । जोकि महिलाएं लेती हैं। लड़कों का मानना है कि कंपनियां चाहती हैं कि कर्मचारी खूबसूरत व प्रजेंटेबल लगें। ऐसे में कई बार लड़कियों को प्राथमिकता मिल जाती है।

युवाओं के लिये सात असरदार फेस पैक

पहले ज़माने के मुकाबले पुरुष अब अपना ख्याल ज्यादा रखने लगे हैं। वो ज़माना गया जब केवल रफ एंड टफ दिखना ही पुरुषों की पहचान हुआ करता था। आज महिलाओं की तरह पुरुष भी अपनी त्वचा का अच्छा खासा ख्याल रखने लगे हैं। बात चाहे अपने बालों को नया लुक देने की हो या फिर चेहरे पर फेशियल, ब्लीच या फेस पैक लगाने की हो, पुरुष अब किसी चीज को नहीं नकारते। त्वचा की देखभाल करना केवल महिलाओं के लिये ही जरुरी नहीं है बल्कि पुरुषों को भी उतना ही ध्यान देना चाहिये। पुरुषों की त्वचा महिलाओं के मुकाबले ज्यादा कठोर होती है, जिस वजह से उस पर साधारण साबुन, लोशन और क्रीम बेअसर हो जाते हैं। पुरुषों के लिये जरुरी स्किन केयर टिप्स पुरुषों को अपनी त्वचा की रेगुलर केयर करनी चाहिये, जिसके लिये नीचे दिये जा रहे हैं कुछ घरेलू फेशियल मास्क बनाने की विधि। इन मास्क को नियमित त्वचा पर लगाने से चेहरे की खोई हुई चमक दुबारा वापस लौट आएगी।

1. **दही फेस पैक** - अगर चेहरे पर बड़े पोर्स हैं तो आपको दही और उसमें थोड़ा सा नींबू का रस मिला कर चेहरे पर लगाना चाहिये। इससे चेहरे का रंग भी साफ हो जाता है। आप चाहें तो दूसरा फेस पैक भी बना सकते हैं, जिसमें दही के साथ संतरे का छोटा टुकड़ा, 1 चम्मच एलो वेरा जैल मिक्स कर के साफ चेहरे पर 10 मिनट के लिये लगाएं।
2. **ओटमील फेस पैक** - ओटमील को मिक्सर में पीस कर एक कटोरे में निकालें। फिर उसमें कुछ बूंद उबलता हुआ पानी मिला कर पेस्ट बनाएं। इसे साफ चेहरे पर लगाएं।

10-15 मिनट बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

3. **नींबू का फेस पैक** - त्वचा पर अत्यधिक तेल आता है तो आपके लिये ये फेस पैक बहुत ही अच्छा रहेगा। इस पैक को बनाने के लिये 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच नींबू और थोड़ा सा ऑलिव ऑइल मिलाएं। फिर चेहरा धो कर इसे मास्क को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 20 निट के बाद गीले कपड़े से पोछ लें।
4. **स्ट्रॉबेरी फेस पैक** - स्ट्रॉबेरी में एसिड होता है जो चेहरे से डेड स्किन को साफ कर के चेहरे को मुलायम बनाता है। आपको बस कुछ स्ट्रॉबेरी को मैश कर के उसमें 1 चम्मच ऑलिव ऑइल और 1 चम्मच शहद मिला पर चेहरे पर लगाना होगा। इससे चेहरे की सूजन भी कम हो जाती है। जब यह पैक सूख जाए तब चेहरे को धो लें।
5. **मुल्तानी मिट्टी का फेस** - मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक ऑयली चेहरे के लिये काफी अच्छा होता है। इस पैक को बनाने के लिये मुल्तानी मिट्टी के साथ एलोवेरा, शहद और अंडा का पीला भाग मिला कर पेस्ट बनाएं। फिर चेहरे को धो कर इसे लगाएं और 10 मिनट के बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।
6. केले और गुलाब - यह फेस पैक चेहरे से मुहांसो का सफाया करता है और जमी हुई गंदगी निकालता है। इसे बनाने के लिये केले का पेस्ट बना कर उसमें गुलाब जल मिलाएं। आप इसमें ऑलिव ऑइल भी मिक्स कर सकते हैं। इस पैक को सूखने तक लगाएं और फिर चेहरे को पानी से धो लें।
7. **बेसन और हल्दी फेस पैक** - 1 चम्मच बेसन को दूध या गुलाबजल के साथ मिक्स कर के उसमें 2 चुटकी हल्दी पावडर मिक्स करें। फिर चेहरे पर इसे लगा कर 15 मिनट के बाद इसे धो लें। यह फेस पैक हर तरह की स्किन के लिये अच्छा होता है। बेसन से चेहरा साफ होता है और सन टैनिंग मिटती है, जिससे चेहरा गोरा बनता है।

कम हाईट वाले युवाओं के लिए ड्रेसिंग टिप्स

जिन पुरूषों की हाईट कम होती है उनमें लंबे पुरूषों की अपेक्षा आत्म - विश्वास और एटीट्यूड कम होता है क्योंकि उन्हे हर समय ऐसा लगता है कि वह छोटे है और अच्छे नहीं लगते। हालांकि, हाईट के आधार पर कोई भी इंसान अच्छा या बुरा नहीं होता है। अगर हाईट कम है तो आपके रहने का तरीका और ड्रेसिंग स्टाइल आपकी मदद कर सकता है। अच्छे तरीके से ड्रेसअप होने से आपमें आत्म - विश्वास आएगा और आपको अच्छा लगेगा। जिन लोगों की हाइट कम होती है, उन्हे चेक प्रिंट के कपड़े पहनने से बचना चाहिए, उन्हे लाइनिंग के कपड़े ज्यादा पहनने चाहिए और बैगी या लूज कपड़े कतई नहीं पहनने चाहिए। टाईट फिट और हल्के से लम्बाई में ज्यादा कपड़े ही उन पर फबेगें। पैंट या जींस हल्की ढीली पहननी चाहिए ताकि लम्बाई ज्यादा लगे। वर्टिकल लाइन और पैटर्न के कपड़े ज्यादा अच्छे लगते है। शॉर्ट हाईट के पुरूषों के लिए ऐसे ही कई अन्य ड्रेसिंग टिप्स निम्म प्रकार हैं -

वर्टिकल ओरिएंटेड पैर्टन

वर्टिकल प्रिंट या पैर्टन में व्यक्ति की कम ऊंचाई भी ज्यादा लगती है। इससे आपकी पूरी लम्बाई ज्यादा समझ में आती है। अनब्रोकन स्ट्रिप के कपड़े भी पहने जा सकते हैं। जिन कपड़ों पर टेक्सचर बना हों, उसे भी पहन सकते हैं, इससे हाईट ज्यादा समझ में आती है।

सही फिटिंग के कपड़े

ज्यादा ढीले - ढाले कपड़े पहनने से व्यक्ति और अधिक नाटा लगता है इसलिए सही फिटिंग के कपड़े पहनें। ज्यादा चुस्त कपड़े खराब लगेगें, सही फिटिंग का होना जरूरी है। अगर आपको मार्केट में आपकी फिटिंग के कपड़े नहीं मिलते है तो दर्जी से सिलवा लें।

मोनोक्रोमैटिक कलर

कम हाईट वाले लोग विपरीत और चटक रंगों के कपड़े कतई न पहनें। ऐसे लोगों को मोनोक्रोमैटिक कलर के कपड़े पहनने चाहिए। हमेशा उन रंगो के कपड़े पहने जो आपकी बॉडी को अच्छा दिखाएं और आपकी हाईट भी अच्छी प्रदर्शित करें। कपड़ों की कलर थीम का चयन सोच समझ कर करें। डार्क कलर के कपड़े कम ही पहनें।

स्मॉलर प्रपोशन

कम हाईट होने पर आप जो भी कपड़े पहनें, उनका स्मॉलर प्रपोशन होना चाहिए। अपर बॉडी के कपड़ों जैसे - शर्ट, जैकेट आदि का चुनाव सोच समझ कर अपनी हाईट के हिसाब से करना चाहिए।

करेक्ट क्लोथिंग

सही तरीके के कपड़े भी आपकी पर्सनालिटी और हाईट को अच्छा दिखाते है। जैसे - अगर आपकी हाईट कम है तो स्पोर्ट जैकेट या सूट जैकेट पहन सकते हैं, इससे ऊंचाई ज्यादा समझ में आती है। कमर की ऊंचाई से पैंट बांधे। लो वेस्ट न पहनें।

कुछ और ऊंचाई जोड़ लें

हाईट कम होने पर आप किसी भी कपड़े को ठीक नाप न पहनकर थोड़ा सा ज्यादा लम्बा पहनें। पैंट आदि को लम्बा बनवाएं और चाहें तो हील शूज पहन लें। आप चाहें तो थिकर प्लेटफॉर्म शूज आदि को भी पहन सकते है। इस तरीके से आपकी हाईट कुछ इंच जरूर बढ़ जाएगी।

युवकों में बढ़ता बेहतर लुक का क्रेज

बेहतर लुक का क्रेज आज सिर्फ युवतियों में ही नहीं युवकों में भी पाया जाने लगा है बल्कि युवकों में यह बेहद तेजी से बढ़ रहा है. बेहतर लुक और खूबसूरत दिखने के ट्रैंड का एक मुख्य कारण है अधिक पैसा कमाने की चाह और बदलता लाइफस्टाइल. आज इस आपाधापी भरी जिंदगी में अधिक पैसा कमाने की चाह होना गलत नहीं बल्कि इस चाह को पूरा करने के लिए इस फैशन के दौर में यह जरूरी भी है कि युवा अपने लुक को ले कर लापरवाही न बरतें और खुद को स्मार्ट बनाएं.

आज युवक भी ऐसे प्रोडक्ट और मेकअप टिप्स की तलाश में रहते हैं, जिन से स्टाइलिश और खूबसूरत दिखें. जानिए ऐसे ही कुछ मेकअप टिप्स के बारे में

मेकअप से पहले : युवकों को चाहिए कि वे मेकअप करने से पहले शेव जरूर कर लें. इस से उन्हें आकर्षक लुक मिलेगा. इस के बाद स्क्रब को हलके हाथों से त्वचा पर रगड़ते हुए कुनकुने पानी से चेहरा धो लें. शेविंग के कुछ समय बाद चेहरे को फेसवाश या स्क्रब से साफ करें, जिस से त्वचा में जलन महसूस न हो.

त्वचा में पीएच बैलेंस : त्वचा में पीएच बैलेंस बनाए रखने के लिए अच्छी कंपनी का टोनर लगाएं. त्वचा को कोमल बनाए रखने के लिए मौइश्चराइजर लगाना न भूलें.

आंखों के नीचे काले घेरे : कई बार युवकों की आंखों के नीचे काले घेरे हो जाते हैं, जिन्हें छिपाने के लिए वे कंसीलर का इस्तेमाल कर सकते हैं. चेहरे की झाइयों, दागधब्बों, मुहांसों को छिपाने के लिए आप फाउंडेशन लगा सकते हैं. पसीना आने पर मेकअप खराब न हो इसलिए वाटरप्रूफ फाउंडेशन लगाएं.

नैचुरल लुक, चमकदार त्वचा : नैचुरल लुक और चमकदार त्वचा के लिए टिंटेड मौइश्चराइजर युवकों के लिए सब से अच्छा विकल्प है. यह धूप से बचाने के साथ ही त्वचा को मुलायम भी रखता है. चमकदार होंठों को कोमल व चमकदार बनाए रखने के लिए लिप बाम जरूर लगाएं.

तैलीय त्वचा : तैलीय त्वचा का तेल कम करने के लिए कौंपैक्ट पाउडर लगाएं. यह आप की त्वचा का रंग हलका करने के साथ ही पसीना, विपचिपापन हटाता है, जिस से आप फ्रैश फील करते हैं. आप मानें या न मानें लेकिन युवतियों को प्रभावित करने के लिए सिर्फ अच्छा लुक ही काफी नहीं है बल्कि अपनी त्वचा का खयाल रखना भी उतना ही जरूरी है. इस सीजन में जितना जरूरी युवतियों के लिए अपनी त्वचा की देखभाल है, युवकों के लिए भी उन की त्वचा की देखभाल उतनी ही जरूरी है. ऐसे में युवक लुक में जान डालने वाले इन उपायों पर जरूर गौर करें.

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**